RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 186 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- | बेंगलूरु » रविवार » 01-02-2026 | ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 शाह देश के सबसे नाकाम गृह मंत्री हैं : अभिषेक बनर्जी

6 मेजर शुभांग : कंधे पर लगी गोली, दिल में देशभक्ति का ज्वार, आतंकवादियों पर किया घातक प्रहार

7 महिलाओं को कमजोर समझना सबसे बड़ी भूल : रानी मुखर्जी

## फर्स्ट टेक

### कर्नाटक के बीदर में विस्फोट में चार बच्चों समेत छह लोग घायल

**बीदर (कर्नाटक)/भाषा।** कर्नाटक के बीदर में शनिवार को संदिग्ध सामग्री में कथित विस्फोट में चार बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो वयस्क गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक (बीदर) प्रदीप गुंटी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, '' विस्फोट के कारण छह लोग घायल हुए हैं। इनमें से चार बच्चे हैं।

## मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### जातिवाद

जाति व्यवस्था खत्म करो,
क्या कोई भी दल बोलेगा?
या बस वोटों के हित में ही,
जहर जाति का घोलेगा।
सबको अधिकार बराबर अब,
निज कर्म जाति को तोलेगा।
हैं संविधान में सब समान,
यह भेद कौन कब खोलेगा??

किसानों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने के लिए

# संसद में जल्द लाए जाएंगे नए कृषि कानून : शिवराज

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान और उनका सर्वांगीण विकास है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रायपुर/भाषा।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों को कानूनी सुरक्षा का मजबूत कवच प्रदान करने के लिए संसद में जल्द ही नए कृषि कानून लाए जाएंगे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि चौहान ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय प्रवास पर दुर्ग जिले का दौरा किया तथा किसानों से सीधा संवाद किया।

चौहान ने अपने प्रवास के दौरान किसान मेले को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि किसान की मेहनत, उसकी फसल और उसके भविष्य से खिलवाड़ अब किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नकली बीज, नकली खाद और नकली कीटनाशकों के जरिये किसानों को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ केंद्र सरकार निर्णायक, कठोर और दंडात्मक कार्रवाई के रास्ते पर आगे बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि किसानों को कानूनी सुरक्षा का मजबूत कवच प्रदान करने के लिए संसद में शीघ्र ही नए कृषि कानून लाए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान और उनका सर्वांगीण विकास है।

उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व नकली उर्वरकों के जरिये किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, जो केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि किसान के साथ सीधा विश्वासघात है।

# भारत की सभ्यतागत विरासत के संरक्षक हैं शिल्पकार : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**फरीदाबाद/भाषा।** उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि शिल्पकार भारत की सभ्यतागत विरासत के संरक्षक हैं। राधाकृष्णन ने यहां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले के 39वें संस्करण का उद्घाटन करने के अवसर पर यह बात कही।

एक बयान के मुताबिक सूरजकुंड मेला 31 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है और इसमें देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अन्य देशों की हस्तशिल्प, हथकरघा, संस्कृति और व्यंजनों की बेहतरीन परंपराओं का प्रदर्शन किया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''शिल्पकार भारत की सभ्यतागत विरासत के संरक्षक हैं तथा यह मेला राष्ट्र की सांस्कृतिक आत्मा और आत्मनिर्भर भावना को प्रतिबिंबित करता है, जो 'वसुधैव कुटुंबकम' के लोकाचार को समाहित करता है।''

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री एवं फरीदाबाद के सांसद कृष्ण पाल गुर्जर तथा हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री अरविंद कुमार शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# 'तमिलनाडु के लोग द्रमुक के भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं'

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु के लोग सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के भ्रष्टाचार और 'तमिल संस्कृति विरोधी' रवैये से तंग आ चुके हैं।

तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रभारी गोयल ने कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए जीत हासिल करना मुश्किल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु चुनाव में भाजपा को अभिनेता विजय को लुभाने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि सुपरस्टार आते-जाते रहते हैं और चुनाव पर उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। केंद्रीय मंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जबरदस्त सत्ता-विरोधी लहर है। यह एक अक्षम और बेहद भ्रष्ट सरकार है। (तमिलनाडु के मुख्यमंत्री) स्टालिन पूरी तरह से तमिल संस्कृति विरोधी और भारत विरोधी रुख का प्रतिनिधित्व करते हैं।''

महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के तौर पर

# सुनेत्रा पवार ने शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दिवंगत अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार (62) ने शनिवार को मुंबई में एक समारोह में महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे चुकीं सुनेत्रा को यहां लोक भवन में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले दिन में, उन्हें औपचारिक रूप से राकांपा विधायक दल का नेता चुना गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राकांपा के घटक वाली 'महायुति' सरकार में अजित पवार उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री थे। उनकी 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। सुनेत्रा पवार जब शपथ लेने के लिए उठीं तो 'अजित दादा अमर रहें' जैसे नारे लगाए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल सहित अन्य लोग समारोह में उपस्थित थे। सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार और उनकी पत्नी भी शपथग्रहण समारोह में मौजूद थीं। सुनेत्रा राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन की सदस्य नहीं हैं। उनके बारामती विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है जो उनके पति अजित पवार के निधन से खाली हुई है।

राजनीतिक परिवार से संबंध रखने वाली और चर्चाओं से दूर रहने वाली सुनेत्रा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने चुनावी करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पवार परिवार के गृह क्षेत्र बारामती में अपनी ननद और मौजूदा राकांपा (शप) की सांसद सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा था।

## सहज स्मृति योग

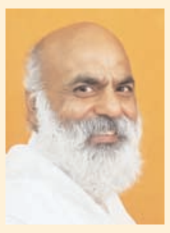

**व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।**

प्रश्न: गुरुजी, वर्तमान समय में विश्व में क्या कोई एक भी किसी एक की वाणी सुन पा रहा है या, सब बस अपनी अपनी सुनाने में लगे हैं ? मनुष्य, सभी सम्बन्धों को वैसे आदर और प्रेम से क्यों नहीं निभा पा रहा है, जैसा महिमामय और गरिमामय आदर्श और मर्यादापूर्ण हर सम्बंध यथार्थ में है ?

उत्तर: यह तो आपने अत्यंत गूढ़ प्रश्न किया है। इस एक प्रश्न के पीछे आपका वर्षों का ध्यान, मनन, चिंतन और अनुभव स्पष्ट झलक रहा है। दुर्भाग्य से आप सही हैं क्योंकि इसका उत्तर नकारात्मक है। बहुतायत के संदर्भ में यही सत्य है कि कोई किसी एक की भी वाणी नहीं सुन पा रहा है। इस उत्तर को सुनने पढ़ने वाले अधिकांश सुहृद कदाचित यही कहेंगे कि सब जगह सबकोई सब-किसी को सुन ही तो रहा है, तभी तो संसार का व्यापार चल रहा है लेकिन जो सदा ध्यानस्थ और समाधिस्थ हैं केवल वही द्रष्टा-ऋषि यथार्थ को सहजता पूर्वक यथावत देखने में समर्थ होते हैं वे ही जानते हैं कि यथार्थ में सुनना क्या है और यह कैसा होता है।

सुनने का महत्व इतना बृहत और गूढ़ है कि हमारे आगम और निगम भी इसे पूरी तरह वर्णित नहीं कर पाए। इसकी गरिमा और महिमा का बोध और स्मृति सनातन हमें पीढ़ी दर पीढ़ी बनी रहे इसलिए हमारी पूरी भारतीय ज्ञान परंपरा का नामकरण ही श्रुति-श्रावक(श्रमण) परंपरा स्मृति परंपरा, दर्शन परंपरा आदि ऋषियों ने किया है। जो इस परम्परा को जीता है ऐसे किसी एक से भी कोई एक भी जागृत व्यक्ति वर्तमान समय में पूछे तो उसे उत्तर एक जैसा ही मिलेगा कि, 'हम किसको और किस की सुनें ? इसका निर्णय वर्तमान वैश्विक मानव समाज सुमति से कर ही नहीं पा रहा है।' इसलिए उसका मन अनेकों गूंजती आवाजों के शोर में बस विचारों और मतों की तरंगों में डूबता-उतराता भागता फिर रहा है। और, जब तक किसी को सम्बन्धों की प्राथमिकताओं का आत्मबोध नहीं होता तब तक वह एक की भी वाणी सुन भी नहीं पाएगा और सम्बन्धों को उनमें अंतर्निहित दिव्यता के अनुकूल निभा नहीं पाएगा। तप का आरम्भ ही आत्मवाणी सुन पाने से संभव हो पाता है।

# दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का बजट: इन मुख्य आंकड़ों पर रहेगी नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार 9वां बजट पेश कर एक नया रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। इस बार सभी की निगाहें बहुप्रतीक्षित सीमा शुल्क सुधारों पर टिकी होंगी। सीतारमण ने 2019 में अपने पहले बजट में दशकों से चले आ रहे चमड़े के ब्रीफकेस की जगह लाल कपड़े में लिपटे पारंपरिक 'बही-खाता' का अनुकरण किया था। पिछले चार वर्षों की तरह इस साल का बजट भी कागज रहित रूप में पेश किया जाएगा। आम बजट 2025-26 के वे प्रमुख आंकड़े जिन पर नजर रखना जरूरी है:

**राजकोषीय घाटा:** सरकार के कुल खर्च और आय के बीच का अंतर राजकोषीय घाटा कहलाता है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए इसके जीडीपी के 4.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया गया है। बजट में 4.5 प्रतिशत से नीचे का लक्ष्य हासिल करने के बाद, बाजार अब कर्ज-जीडीपी अनुपात में कमी की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सटीक आंकड़ों का इंतजार कर रहा है। उम्मीद है कि सरकार वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चार प्रतिशत के राजकोषीय घाटे की घोषणा कर सकती है।

**पूंजीगत व्यय:** चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार का नियोजित पूंजीगत व्यय 11.2 लाख करोड़ रुपए तय किया गया है। निजी क्षेत्र के निवेशकों की सावधानी को देखते हुए, सरकार आगामी बजट में बुनियादी ढांचे पर खर्च को बनाए रख सकती है और इसमें 10-15 प्रतिशत की वृद्धि कर सकती है। यह राशि 12 लाख करोड़ रुपए

से अधिक होने की संभावना है।

**कर्ज की रूपरेखा:** वित्त मंत्री ने 2024-25 के बजट भाषण में कहा था कि वित्त वर्ष 2026-27 से राजकोषीय नीति का प्रयास केंद्र सरकार के कर्ज को जीडीपी के प्रतिशत के रूप में कम करने का होगा। बाजार यह देखना चाहेगा कि सरकार कर्ज-जीडीपी अनुपात को कब तक 60 प्रतिशत के लक्ष्य तक लाने की बात कहती है। 2024 में यह अनुपात 85 प्रतिशत था, जिसमें केंद्र का हिस्सा 57 प्रतिशत था।

**उधारी:** वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार की सकल उधारी का बजट 14.80 लाख करोड़ रुपए था। सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए बाजार से कर्ज लेती है। उधारी का आंकड़ा देश की आर्थिक सेहत और राजस्व संग्रह की स्थिति का संकेत देता है।

**कर राजस्व:** वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में सकल कर राजस्व का लक्ष्य 42.70 लाख करोड़ रुपए रखा गया था, जो पिछले वर्ष से 11 प्रतिशत अधिक है। इसमें 25.20 लाख करोड़ रुपए प्रत्यक्ष कर (आयकर और कॉरपोरेट कर) और 17.5 लाख करोड़ रुपए अप्रत्यक्ष कर (सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और जीएसटी) से आने का अनुमान है।

**जीएसटी:** वित्त वर्ष 2025-26 में जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 11.78 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। सितंबर 2025 से दरों में की गई कटौती के बाद राजस्व वृद्धि में तेजी आने की उम्मीद है, इसलिए वित्त वर्ष 2026-27 के अनुमानों पर विशेष ध्यान रहेगा।

**जीडीपी वृद्धि :** वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की मौजूदा कीमतों पर जीडीपी वृद्धि (वास्तविक जीडीपी + मुद्रास्फीति) का अनुमान 10.1 प्रतिशत है, जबकि वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, मुद्रास्फीति कम रहने के कारण मौजूदा कीमतों पर जीडीपी को घटाकर आठ प्रतिशत कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए यह अनुमान 10.5 से 11 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है।

## बजट से पहले एसबीआई प्रमुख ने बैंक जमा, शेयर निवेश पर समान कर के लिए कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने शनिवार को शेयर (इक्विटी) निवेश और बैंक जमा से होने वाली कमाई पर एक समान कर व्यवस्था लागू करने की वकालत की। केंद्रीय बजट से एक दिन पहले शेट्टी ने कहा कि दुनिया में अन्य कहीं भी कराधान में इस तरह की असमानता नहीं है और अब समय आ गया है कि भारत भी अन्य बाजारों के अनुरूप चले। उन्होंने यहां एक बैंकिंग कार्यक्रम के इतर संवाददाताओं से कहा, मेरा मानना है कि वित्तीय बचत साधनों के लिए समान अवसर होने चाहिए।

शेट्टी ने बताया कि हालांकि वह बजट के प्रावधानों के बारे में नहीं जानते और इस तरह के कदम से राजकोषीय चुनौतियां भी हो सकती हैं, लेकिन इक्विटी के लिए किसी विशेष व्यवहार की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि एक समय में आसान कराधान के माध्यम से इक्विटी निवेश को प्रोत्साहित करना सही रहा होगा, लेकिन आज जिस तरह से जोखिम भरे इक्विटी बाजार में लोगों की रुचि बढ़ रही है, वहां अब ऐसी विशेष रियायत की जरूरत नहीं है। वर्तमान में बैंक जमा पर रिटर्न करदाता के टैक्स स्लैब के अनुसार लगता है, जो 30 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके विपरीत, सूचीबद्ध इक्विटी पर रिटर्न पर रियायती दरें लागू हैं, जिसमें 1.25 लाख रुपए से अधिक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर 12.5 प्रतिशत और अल्पकालिक पूंजीगत लाभ (एसटीसीजी) पर 15-20 प्रतिशत कर लगता है।

बैंकर पिछले कुछ समय से इन दोनों वित्तीय साधनों के बीच समानता की मांग कर रहे हैं और जमा राशि जुटाने में आ रही चुनौतियों के कारण अब यह मांग और तेज हो गई है। कई बैंकरों का कहना है कि बचतकर्ता अब काफी समझदार हो गए हैं और वे बैंक खातों में केवल न्यूनतम शेष राशि ही रख रहे हैं। वे बेहतर रिटर्न पाने के लिए अतिरिक्त धन को इक्विटी में लगाना पसंद कर रहे हैं। इससे बैंकों के पास ऋण देने के लिए उपलब्ध संसाधनों में कमी आती है।

## आदर्श कॉलेज में सांस्कृतिक व खेल पुरस्कार वितरण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चामराजपेट स्थित एसआरएन आदर्श कॉलेज में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के सांस्कृतिक व खेल पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता उपाध्यक्ष सीए संजय धारीवाल ने की। इस मौके पर कॉलेज के उपाध्यक्ष भेरूमल भंडारी, सचिव जितेंद्र मरड़िया, संयुक्त सचिव महेश नाहर व प्राचार्य डॉ. एस. प्रशांत उपस्थित थे। सभी अतिथियों व पदाधिकारियों ने कॉलेज के संस्थापक स्व. वी. प्रेमराज जैन को उनकी जयंती पर याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर संजय धारीवाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए आदर्श कॉलेज के स्थापना में स्व. प्रेमराज जैन के अमूल्य योगदान को याद किया। उन्होंने छात्रों को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए विद्यार्थियों को सीईटी और नीट के लिए विशेष प्रशिक्षण के बारे में भी जानकारी दी। जितेंद्र मरड़िया ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी भावना का महत्व समझाकर प्रेरित किया। उन्होंने डिग्री कॉलेज के नए पाठ्यक्रमों के बारे में भी बताया। प्रिंसिपल डॉ. एस. प्रशांत ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कॉलेज में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ कोचिंग के बारे में जानकारी दी।

## नायडू ने चित्तूर में महिलाओं को 5,500 से अधिक ई-साइकिलें वितरित कीं, गिनीज रिकॉर्ड में नाम दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कुप्पम/भाषा।** आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को चित्तूर जिले में 24 घंटे के भीतर महिलाओं को 5,500 से अधिक ई-साइकिलें वितरित कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ई-साइकिल से महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपए तक की बचत करने में मदद मिलेगी और पर्यावरण की रक्षा होगी।

एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, ''महिलाओं के सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को 24 घंटे के भीतर महिलाओं को 5,555 ई-साइकिलें वितरित कीं। इसी के साथ उनका नाम कम अवधि में इतनी साइकिल वितरित करने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-साइकिल एक बार चार्ज करने पर 60 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती हैं। उन्होंने स्वयं भी एक ई-साइकिल की सवारी की।

नायडू ने बाद में गुडीपल्ली मंडल के बेगिलिपल्ले गांव में 'एनटीआर भरोसा' मासिक कल्याण पेंशन के वितरण समारोह में हिस्सा लिया, जिसमें लगभग 63 लाख लाभार्थियों को कुल 2,724 करोड़ वितरित किए गए।

## भोपाल में गोली लगने से तीसरी कक्षा के छात्र की मौत

**भोपाल/भाषा।** मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के गौतम नगर इलाके में शनिवार को सिर में गोली लगने से एक ठेकेदार के पुत्र एवं तीसरी कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि 12 वर्षीय इब्राहिम लाला देर रात करीब दो बजे अपने घर की बालकनी पर अचेत अवस्था में खून से लथपथ पाया गया।

पुलिस ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि लड़के को कहीं और गोली लगी। एक अधिकारी ने बताया कि परिवार के सदस्यों ने बच्चे को अस्पताल ले जाने से पहले बालकनी में लिटा दिया। परिवार के सदस्यों ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्हें जिम्मेदार ठहराए जाने का भय था। उन्होंने बताया कि परिवार ने कथित तौर पर यह जताने की कोशिश की कि लड़का गिर गया है और उसे चोटें आई हैं।

## भारत, अमेरिका जल्द ही व्यापार समझौते पर लगा सकते हैं मुहर : पीयूष गोयल

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और दोनों देश इसे जल्द पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने भरोसा जताया कि निकट भविष्य में इस मोर्चे पर अच्छी खबर दी जाएगी।

गोयल ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''हर मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अपनी शर्तों और खूबियों पर टिका होता है। हमारी बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। अमेरिका में मेरे समकक्ष और मेरे बीच बहुत ही शानदार कामकाजी संबंध और व्यक्तिगत मित्रता है। हम इस समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं।'' जब उनसे पूछा गया कि 'मदर ऑफ ऑल डील्स' (भारत-ईयू

समझौता) के बाद अब भारत और अमेरिका के बीच 'फादर ऑफ ऑल डील्स' कब तक हकीकत बनेगी, तो उन्होंने कहा कि व्यापार समझौतों के लिए कभी कोई समय सीमा तय नहीं की जाती। इन्हें दोनों देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए सही समय पर अंतिम रूप दिया जाएगा। अगले सप्ताह वाशिंगटन की निर्धारित यात्रा से पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों और रक्षा सहित द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख आयामों पर चर्चा की। उम्मीद है कि वह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

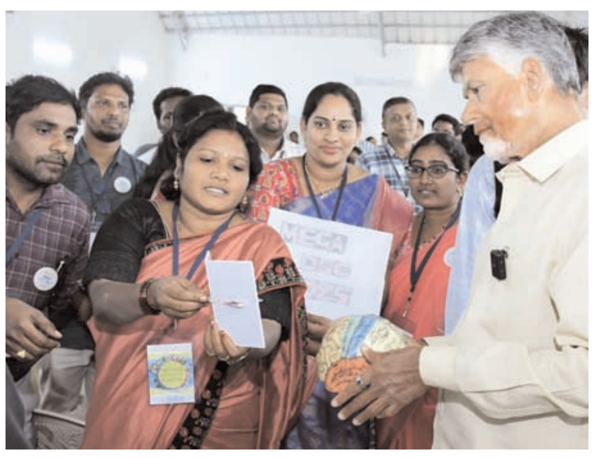

## होली एंजल्स हाईस्कूल ने मनाया स्थापना दिवस 'संभ्रामा-2026'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हम्पीनगर के होली एंजल्स हाईस्कूल द्वारा वार्षिक स्थापना दिवस 'संभ्रामा-2026' का आयोजन नायंडनहल्ली में किया गया। इस मौके पर अतिथि के रूप में कांग्रेस युवा नेता प्रदीप कृष्णप्पा ने कहा कि स्कूल में बच्चों के ऑल-राउंड डेवलपमेंट पर फोकस करना चाहिए। इस स्कूल में मध्यम वर्ग के साथ साथ जरूरतमंदों को भी समान शिक्षा मिल रही है जो कि अनुमोदनीय है। इस मौके पर साउथ जोन-2 की शिक्षा अधिकारी गिरिजाम्मा एचएन ने चयनीत विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए। स्कूल प्रिंसिपल पी. लोकेश ने कहा कि आज के समय में अभिभावकों पर भी अपने बच्चों को पढ़ाने की अहम ज़िम्मेदारी है। ज़िंदगी में एक साथ बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। हर दिन छोटे-छोटे बदलावों से सुधार किया जा सकता है। इस आयोजन में स्कूली बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए।

### सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक विकल चेतना क्रीड़ा पटुगल संघ द्वारा आर्ट्स कॉलेज खेल मैदान में राज्य स्तरीय पुरुष पैरासाइटिंग वॉलीबॉल टूर्नामेंट 'मारुति मेडिकल कप' का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से भी ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बेंगलूरु जिले, दूसरे स्थान उत्तर कन्नड़ जिले तथा तीसरे स्थान पर हासन जिले की टीम रही। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक स्टेट विकल चेतना संघ के निदेशक डॉक्टर अशोक कुमार, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, पद्मश्री व अर्जुन अवार्ड विजेता गिरीश कुमार, राष्ट्रीय पदक विजेता प्रशांत कुमार, डॉक्टर आनंद , डॉ सोमप्पा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

## बिहारी समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक उत्थान पर चर्चा हेतु बैठक आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक बिहारी समाज द्वारा रविवार को शाम 5 बजे हेब्बाल केम्पापुरा स्थित कॉफी बोर्ड लेआउट में एक विशेष चर्चा बैठक का आयोजन किया जा रहा है। संयोजक उदय सिंह व प्रो.विनय कुमार यादव ने बताया कि इस बैठक में बिहार की सांस्कृतिक विरासत, बेंगलूरु में कार्यरत बिहार संबंधित संस्थाओं के कार्यक्रमों के संचालन एवं संवर्धन, बिहार समाज को संगठित करने की योजना, केंद्र और राज्य सरकारों से समाज के कल्याण के लिए संपर्क स्थापित करने व बिहारी समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक उत्थान को लेकर अनेक विषयों पर चर्चा की जाएगी।

## हैदराबाद: पैसे जमा कराने गए केरल के व्यवसायी पर लुटेरों ने की गोली चलाई, छह लाख रुपए लूटे

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के कोटी इलाके में शनिवार सुबह दो हथियारबंद लुटेरों ने केरल के एक व्यवसायी पर गोली चलाई और करीब छह लाख रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित रिनशाद पी.वी. (26) कोटी स्थित एक एटीएम में पैसे जमा करने गए थे, तभी लुटेरों ने उन पर दो बार गोलियां चलाई जिससे एक गोली उनके दाहिने पैर में लग गई। इसके बाद अपराधी नकदी से भरा उनका बैग छीनकर उन्हीं की बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि रिनशाद को अस्पताल में भर्ती कराया है और हालत खतरे से बाहर है। रिनशाद केरल के कोझिकोड के कपड़ा व्यापारी हैं। दर्ज शिकायत के मुताबिक, वह सात जनवरी को थोक माल खरीदने के लिए छह लाख रुपए नकद लेकर हैदराबाद आए थे। सामान नहीं खरीद पाने के कारण उनके चचेरे भाई मिस्बान ने उन्हें नकदी को बैंक खाते में जमा करने की सलाह दी थी। जिसके बाद सुबह सात बजे यह घटना हुई।

## कभी माओवादियों का मजबूत गढ़ रहा अबूझमाड़ अब अमन और शांति का संदेश दे रहा : मुख्यमंत्री साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रायपुर/भाषा।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को नारायणपुर में 'अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन-2026' को हरी झंडी दिखाई और कहा कि अबूझमाड़ को कभी माओवादियों का मजबूत गढ़ माना जाता था, लेकिन आज यह अपनी धरती से देश-दुनिया को अमन और शांति का मजबूत संदेश दे रहा है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि अबूझमाड़ की धरती से शांति, सद्भाव और विकास का सशक्त संदेश देते हुए 'अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन-2026' का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने सुबह नारायणपुर के हाईस्कूल परिसर के समीप आयोजित हाफ मैराथन के धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सांकेतिक रूप से स्वयं भी दौड़ लगाई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विजयी प्रतिभागियों को

प्रदान किए जाने वाले मेडल का अनावरण भी किया। इस दौरान साय ने कहा, ''आज अबूझमाड़ की धरती से पूरे देश और दुनिया को अमन और शांति का मजबूत संदेश दिया जा रहा है। यह वही अबूझमाड़ है, जहां कभी आम नागरिकों और जवानों का पहुंचना भी कठिन था, लेकिन आज सकारात्मक वातावरण के कारण हजारों लोग यहां एकत्रित हुए हैं। माओवाद से मुक्त बस्तर की दिशा में युवा वर्ग का जोश और उत्साह यह संकेत दे रहा है कि जल्द ही यह क्षेत्र खुशियों से आबाद होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परिवर्तन 'डबल इंजन' सरकार की नीतियों और नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है और बस्तर लाल आतंक से पूरी तरह मुक्त होगा। उन्होंने नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में लगे सुरक्षाबलों के अधिकारियों और जवानों के अदम्य साहस और पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि उन्हीं के बलिदान और समर्पण से आज बस्तर क्षेत्र में शांति और विकास की मजबूत नींव पड़ी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में बस्तर क्षेत्र में 351 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है तथा नए विकास कार्यों की घोषणा भी की गई। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र पिछले चार दशकों से विकास से वंचित रहा, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा और बस्तर में विकास की गंगा निरंतर बहेगी। उन्होंने सम्पूर्ण बस्तर और छत्तीसगढ़ को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के सरकार के संकल्प को दोहराया। अधिकारियों ने बताया कि 21 किलोमीटर लंबी 'हाफ मैराथन' नारायणपुर से बासिंग तक आयोजित की गई, जिसमें देश-विदेश से आए 60 से अधिक विदेशी प्रतिभागियों सहित बस्तर संभाग, प्रदेश और अन्य राज्यों के 10 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया। मैराथन से पूर्व हाईस्कूल परिसर में 'जुंबा वॉर्मअप' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों प्रतिभागियों ने एक साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी युवाओं ने भी हथियार छोड़कर शांति और मुख्यधारा में लौटने का संदेश देते हुए मैराथन में हिस्सा लिया।

# 'कारोबारी की आत्महत्या' : केरल के दलों ने जांच की मांग की, बेंगलूरु पुलिस ने एसआईटी गठित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/तिरुवनंतपुरम। बेंगलूरु में रियल एस्टेट कारोबारी की कथित आत्महत्या के मामले में जांच के लिए शनिवार को पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। पड़ोसी राज्य केरल के विभिन्न दलों ने मामले में गहन जांच की मांग की है। कारोबारी के परिवार का आरोप है कि उन पर आयकर विभाग का दबाव था, जो उनकी जांच कर रहा था। केरल में सत्तारुढ़ और विपक्षी दलों द्वारा सी जे राय की मौत की व्यापक जांच की मांग के बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने पुलिस को कॉन्फिडेंट ग्रुप' के अध्यक्ष की कथित आत्महत्या के मामले में जांच का निर्देश दिया। गृह मंत्री परमेश्वर के निर्देश के बाद बेंगलूरु पुलिस ने एसआईटी के गठन की घोषणा की।

बेंगलूरु पुलिस के एक बयान में कहा गया, इस मामले की व्यापक और गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए, बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने एसआईटी के गठन का आदेश दिया है। एसआईटी का नेतृत्व पश्चिमी क्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त सी वामशी कृष्णा करेंगे। बयान में कहा गया कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी और संबंधित जानकारी आने वाले दिनों में लोगों को दी जाएगी।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, हम जांच के नतीजों का इंतजार करेंगे। अभी मैं कुछ नहीं कह सकता जब तक कि हमें यह पता न चल जाए कि किन कारणों से यह घटना हुई। कारोबारी राय को बेंगलूरु में रिचमंड सर्कल के पास स्थित उनके कार्यालय में उनकी लाइसेंसी हथियार से गोली लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। गोली चलने की आवाज आने पर कमरे में बाकी कर्मचारी पहुंचे, जहां राय जख्मी हालत में मिले। राय को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि राय के परिसर में तलाशी करीब दो महीने पहले शुरू हुई थी। राय के भाई ने आरोप लगाया है कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसी के दबाव के कारण यह कदम उठाया होगा। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त के अनुसार, मूल रूप से केरल के रहने वाले राय स्लोवाक गणराज्य के मानद दूत भी थे। केरल में, सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विपक्षी गठबंधन कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने राय की मौत की व्यापक जांच की मांग करते हुए कहा कि घटना के पीछे के तथ्यों को सामने लाया जाना चाहिए।

माकपा के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन, राज्यसभा सदस्य ए ए रहीम और विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि राय की मौत के कारणों की जांच होनी चाहिए। तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बातचीत में गोविंदन ने सवाल उठाया कि जब केंद्रीय एजेंसियां छापेमारी और इसी तरह की कार्रवाइयां करती हैं, तो वे अधिक मानवीय तरीके से क्यों काम नहीं करतीं। उन्होंने दावा किया कि राय के कार्यालय में छापेमारी उनकी मौत के बाद भी जारी रही। सतीशन ने कारोबारी की मौत के पीछे रहस्य होने की बात कही और मामले की जांच की मांग की। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें किस तरह की प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। अभिनेता मोहनलाल ने भी कारोबारी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं प्रिय मित्र सी जे राय के निधन से दुखी हूं। दुख की घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। कारोबारी द्वारा निर्मित कुछ फिल्मों में अभिनय कर चुके मोहनलाल ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, वह एक दोस्त से कहीं बढ़कर थे, उन्हें हमेशा प्यार और स्नेह के साथ याद किया जाएगा।

बेंगलूरु में, परमेश्वर ने कहा कि आयकर विभाग ने पूर्व में राय की कंपनी पर छापेमारी की थी और वैधानिक प्रविधियों को पूरा करने की प्रक्रिया में था। उन्होंने कहा, पिछले साल दिसंबर में उनकी कंपनी पर छापा मारा गया था। नियम के अनुसार 60 दिन के भीतर अदालत में आरोपपत्र दाखिल करना होता है। उन्हें चार फरवरी से पहले इसे अंतिम रूप देना था। इसलिए उन्हें तलब किया गया था।

परमेश्वर ने बताया कि राय हाल में विदेश से लौटे थे और अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे थे। परमेश्वर ने कहा, तीन दिन पहले वह दुबई से लौटे थे। आयकर विभाग के अधिकारी उनका बयान दर्ज करने उनके कार्यालय गए थे। उन्होंने जवाब भी दिए। उन्होंने कहा, इसी बीच, राय ने अधिकारियों से कहा कि वह पांच मिनट में वापस आ जाएंगे, लेकिन 20 मिनट बीत जाने के बाद भी वह नहीं लौटे। तब उनकी आत्महत्या की बात सामने आई। परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने घटना की पुलिस जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा, मैंने पुलिस अधिकारियों को घटना के कारणों की जांच करने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा कि राय के परिवार ने इस घटना को आयकर विभाग की कार्रवाई से जोड़ा है।

आयकर विभाग की छापेमारी में किसी राजनीतिक पहलू के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने अटकलें लगाने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, गृह मंत्री होने के नाते मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। जांच के दायरे को स्पष्ट करते हुए परमेश्वर ने कहा, पुलिस केवल आत्महत्या के मामले की जांच करेगी। अगर कोई और बात सामने आती है, तो उसकी भी जांच की जाएगी। कर्नाटक के वाणिज्य और उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आर्थिक अपराध को अन्य अपराधों की तरह नहीं माना जाना चाहिए और इसे दीवानी मामले की तरह निपटाया जाना चाहिए। पाटिल ने कहा, सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो), ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) जैसी एजेंसियों के जरिये डर फैलाना उचित नहीं है। जांच से ही पता चलेगा कि वास्तव में क्या हुआ था, लेकिन मेरा कहना यह है कि आर्थिक अपराधों के लिए दंड के प्रावधान हैं और उनके समाधान भी मौजूद हैं, लेकिन इसे आपराधिक कृत्य की तरह नहीं माना जाना चाहिए।

# दम घुटने से चार प्रवासी मजदूरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बेंगलूरु के बाहरी इलाके में किराए के एक मकान में रह रहे चार प्रवासी श्रमिकों की कथित तौर पर दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये प्रवासी मजदूर असम के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान जयंत शिंदे, नरेंद्रनाथ, डॉक्टर टाइड और धनंजय टाइड के रूप में हुई है।

सभी की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात होसकोट तालुका के सुलीबेले थाना क्षेत्र में हुई। उन्होंने बताया कि सभी मजदूर पास के एक गोदाम में सामान लादने और उतारने का काम करते थे।पुलिस ने बताया कि ठंड के मौसम के कारण उन्होंने दरवाजे और खिड़कियां बंद कर ली थीं। अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक जांच में पता चला कि खाना पकाने के कारण कमरे में कार्बन मोनोऑक्साइड जमा हो गई। कमरे में हवा के निकलने की उचित व्यवस्था नहीं थी, जिसकी वजह श्रमिकों की कथित तौर पर दम घुटने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक घर में एक खिड़की थी लेकिन वो भी बंद थी।

पुलिस के अनुसार, मामला तब सामने आया जब उनका एक दोस्त उनके कमरे पर पहुंचा लेकिन दरवाज खटखटाने पर अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली और उसने बाहर से खिड़की खोलने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। अधिकारी मौत के सटीक कारणों की पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम और फोरेंसिक की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

# कर्नाटक में प्रवासी मजदूरों की मौत मामले को सिद्दरामय्या के समक्ष उठाएंगे : हिमंत

उत्तर लखीमपुर/बेंगलूरु। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने शनिवार को बेंगलूरु के पास पूर्वोत्तर राज्य के चार प्रवासी श्रमिकों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस मामले को अपने कर्नाटक समकक्ष के समक्ष उठाएंगे। शर्मा ने कहा कि असम सरकार चारों श्रमिकों के शवों को उनके पैतृक स्थल लाने के लिए कर्नाटक के साथ समन्वय करेगी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि असम के चार प्रवासी मजदूरों जयंत सिमटे, नीरेन्द्रनाथ तैद, डॉक्टर तैद और धनंजय तैद होसकोटे तालुक के सुलिबेले क्षेत्र में अपने किराए के आवास में मृत पाए गए। उसने बताया कि आशंका है कि मौत दम घुटने से हुई।

शर्मा ने लखीमपुर जिले के नाओबोइचा में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, हमें यह दुखद खबर सुबह मिली... मैंने

असम पुलिस को बेंगलूरु पुलिस से संपर्क करने और जांच के बारे में जानकारी लेने के लिए कहा है। हम पार्थिव शरीर को वापस लाने के लिए भी उनके साथ समन्वय करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस मामले पर कर्नाटक के अपने समकक्ष सिद्दरामय्या से बात करेंगे। उन्होंने बताया कि मृतकों में से तीन नामोनी बोरखामुख गांव के रहने वाले थे, जबकि एक अन्य प्रवासी मजदूर लखीमपुर जिले के सालमोरा गांव का निवासी था।

## फिल्म शो

बेंगलूरु में शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने ओरायन मॉल में फिल्म 'कल्ट' देखी। इस फिल्म में आवास मंत्री जमीर अहमद के बेटे ने फिल्म में काम किया है।

# अदालतों का अस्तित्व आम लोगों को न्याय देने के लिए है : राज्यपाल अब्दुल नजीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुत्तुर (कर्नाटक)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अब्दुल नजीर ने शनिवार को यहां कहा कि अदालतें आम लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने का काम करती हैं और इस अधिदेश की प्रकृति संवैधानिक है। वह दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तुर में एक नए अदालत परिसर का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि अदालतें कानून के राज की प्रतीक हैं और वे समाज में अन्याय के खिलाफ प्रत्येक व्यक्ति के लिए न्याय सुनिश्चित करने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि अदालतों के लिए नागरिकों को समय पर न्याय देने के उद्देश्य से आधुनिक आधारभूत ढांचा और प्रौद्योगिकी का उपयोग आज के समय की आवश्यकताएं हैं।

संविधान निर्माण के संदर्भ में उन्होंने कहा कि दक्षिण कन्नड़ जिले से बी. नरसिम्हा राव ने कई महत्वपूर्ण प्रावधानों को समेकित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि डाक्टर बी आर आंबेडकर ने भी नरसिम्हा राव के योगदान को स्वीकार किया था।

इस अवसर पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विभु बखरु ने कहा कि अदालत के भवनों के साथ ही न्यायाधीशों की सत्यनिष्ठा, अधिवक्ताओं की प्रतिबद्धता और अदालत के कर्मचारियों का समर्पण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि पुत्तुर अदालत परिसर में 12 कोर्ट हॉल मौजूद हैं और आधुनिक सुविधाओं के साथ इनका निर्माण किया गया है। दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि पुत्तुर अदालत के भवन इस राज्य में एक तालुक मुख्यालय में स्थित सबसे बड़ा अदालत परिसर है। उन्होंने कहा कि सरकार ढांचागत सुविधाओं को मजबूती प्रदान करने में हर तरह का सहयोग उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि मंगलुरु में 60 करोड़ रुपये की लागत से अदालत के एक नये भवन के निर्माण की मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि बेलथांगडी में नौ करोड़ रुपये की लागत से एक भवन के लिए निविदा की प्रक्रिया जारी है। राव ने मंगलूरु में उच्च न्यायालय की एक पीठ स्थापित किए जाने की भी जरूरत पर बल दिया।

लोकसभा सांसद कैप्टन बृजेश चौटा और पुत्तुर के विधायक अशोक कुमार राय ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उच्च न्यायालय के महानिबंधक भरत कुमार, उपायुक्त दर्शन एच वी और पुत्तुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगन्नाथ राय भी इस अवसर पर मौजूद थे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बासवराज ने अतिथियों का स्वागत किया।

# माता-पिता और बहन की हत्या के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

होस्पेट/दक्षिण भारत। विजयनगर जिले में 24 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता और बहन की कथित तौर पर हत्या कर दी और बाद में यहां जांचकर्ताओं को गुमराह करने के उनके गुमशुदा होने की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना 29 जनवरी को सामने आई, जब कोट्टूर का रहने वाला आरोपी अक्षय कुमार तिलकनगर थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई कि उसके माता-पिता और बहन लापता हैं। कुमार को अपने पिता भीमराज, माता जयलक्ष्मी और बहन अमृता की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। इन हत्याओं के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस ने कहा कि वह संपत्ति विवाद सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान उसके बयानों में विसंगतियों ने संदेह पैदा किया। इसके बाद हत्या का मामला दर्ज किया गया और आरोपी ने अपने माता-पिता और बहन की हत्या करने की बात कबूल कर ली। पुलिस के अनुसार, कुमार ने दावा किया कि उनकी हत्या करने के बाद उसने उनके शवों को कोट्टूर में उनके किराए के मकान के परिसर में दफना दिया। पुलिस ने बताया कि शवों को बाद में बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सटीक कारण की पुष्टि हो जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि कुमार ने 27 जनवरी को अपने परिवार के सदस्यों की हत्या कर दी और बाद में बेंगलूरु चला गया, जहां उसने पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने बताया कि यह परिवार मूल रूप से चित्रदुर्गा जिले का रहने वाला था और काम के सिलसिले में कई वर्षों में अलग-अलग जगहों पर रहा था। पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है।

# तुमकूर में पुलिस उप निरीक्षक रिश्वत लेते पकड़ा गया

तुमकूर। तुमकूर में एक पुलिस उप निरीक्षक रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। लोकायुक्त अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, तुमकूर ग्रामीण पुलिस थाने के उप निरीक्षक चेतन कुमार एस. को शुक्रवार रात उस समय हिरासत में लिया गया जब वह जब्त की गई एक कार को छोड़ने के बदले कथित तौर पर रिश्वत ले रहा था। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि उपनिरीक्षक कुमार ने कार छोड़ने के बदले नागेश एस. के. से पांच लाख रुपये मांगे थे। बाद में उसने इस राशि को घटाकर एक लाख रुपये कर दिया था। लोकायुक्त पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात चेतन को अग्रिम राशि के तौर पर 40,000 रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया। मामले की जांच जारी है। इससे पहले, बेंगलूरु में केपी अग्रहारा पुलिस थाने के निरीक्षक गोविंदराजू को कथित तौर पर चार लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। इस मामले में मोहम्मद अकबर (42) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद गोविंदराजू को पकड़ा गया। अकबर का आरोप है कि गोविंदराजू ने केपी अग्रहारा पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में मदद करने के लिए पांच लाख रुपये मांगे थे।

# डब्ल्यूईएफ में कर्नाटक ने 46 कंपनियों के साथ द्विपक्षीय चर्चा की, कोई समझौता ज्ञापन नहीं हुआ : पाटिल

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री एम बी पाटिल ने शनिवार को कहा कि दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के दौरान उन्होंने 46 वैश्विक और भारतीय कंपनियों, निवेशकों तथा विभिन्न देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। पाटिल ने बताया कि इन बैठकों में निवेश के इरादों पर चर्चा हुई, लेकिन किसी भी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर नहीं किए गए। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने दावोस में डब्ल्यूईएफ के दौरान वैश्विक और भारतीय कंपनियों, निवेशकों, शैक्षणिक संस्थानों और देशों के नेतृत्व के साथ 46 द्विपक्षीय बैठकें कीं। उनके अनुसार, कर्नाटक के प्रतिनिधिमंडल ने एयरोस्पेस और रक्षा, उन्नत विनिर्माण, पेय पदार्थ और खाद्य प्रसंस्करण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, डेटा सेंटर और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों पर चर्चा की।

मंत्री ने स्पष्ट किया, हमने सचेत रूप से दावोस में एमओयू पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्णय लिया क्योंकि हम चाहते थे कि निवेशक स्वयं कर्नाटक आएं और यहां उपलब्ध संसाधनों, प्रतिभाओं और निवेशकों के अनुकूल नीतियों को देखें। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले साल वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दौरान राज्य को 10.7 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई थी।

# शिक्षा आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण की शक्ति है : राज्यपाल थावरचंद गहलोत

मैसूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा और ज्ञान का उपयोग न केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए बल्कि राष्ट्र और समाज के कल्याण के लिए भी किया जाना चाहिए।

मैसूरु में कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केएसओयू) के 21वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल ने छात्रों को संबोधित किया और कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और हरित नवाचार में हो रही तीव्र प्रगति से लोगों के जीवन और रोजगार के अवसरों में परिवर्तन आ रहा है। ऐसे गतिशील परिवेश में, उन्होंने छात्रों से, विशेष रूप से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों से, निरंतर सीखने की मानसिकता अपनाने का आग्रह किया।

भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। इस यात्रा में नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्टार्टअप संस्कृति, ग्रामीण उद्यमिता और सामाजिक उद्यम युवाओं के लिए अपार अवसर प्रदान करते हैं, उन्होंने कहा। उन्होंने आगे वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को अपनाते हुए भारत के सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े रहने के महत्व पर बल दिया-यानी विश्व एक परिवार है।

राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के एकीकरण से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली अधिक प्रभावी हो गई है। उन्होंने कुलपति शरणप्पा वी. हल्से और उनकी टीम को खुली और दूरस्थ शिक्षा को मजबूत करने के सराहनीय प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में कौशल आधारित पाठ्यक्रमों, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और अनुसंधान पहलों को और अधिक बढ़ावा देगा।

# यशवंतपुर-मडगांव के बीच शिवरात्रि स्पेशल ट्रेन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने शिवरात्रि त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए यशवंतपुर और मडगांव के बीच स्पेशल ट्रेन की 01 ट्रिप चलाएगा।ट्रेन नंबर 06507 यशवंतपुर-मडगांव एक्सप्रेस स्पेशल 13.02.2026 को दोपहर 12.30 बजे यशवंतपुर से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 06:45 बजे मडगांव पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन नंबर 06508 मडगांव-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल 16.02.2026 को सुबह 11:00 बजे मडगांव से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 04:45 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी।ये ट्रेनें दोनों दिशाओं में चिक्काबनावर, चन्नरायपटना, हासन, सकलेशपुर, सुब्रमण्य रोड, काबाकापुत्तूर, बंटवाला, सूरतकल, मुल्की, उडुपी, बरकुर, कुंडापुरा, मूकाम्बिका रोड बायंदूर, भटकल, मुरुदेश्वर, होन्नावर, कुमटा, गोकर्ण रोड, अंकोला और कारवार में रुकेंगी। ट्रेन में 20 कोच होंगे, जिनमें 1 फर्स्ट क्लास कम एसी टू-टियर कोच, 2 एसी टू-टियर कोच, 2 एसी थ्री-टियर कोच, 9 स्लीपर क्लास कोच, 4 जनरल सेकंड क्लास कोच और 2 एसएलआर/डी कोच शामिल हैं।

# बीदर में विस्फोट में चार बच्चों समेत छह लोग घायल

बीदर। कर्नाटक के बीदर में शनिवार को संदिग्ध सामग्री में कथित विस्फोट में चार बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो वयस्क गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक (बीदर) प्रदीप गुंटी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, विस्फोट के कारण छह लोग घायल हुए हैं। इनमें से चार बच्चे हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दो वयस्क गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, यह घटना होमनाबाद तालुक के मोलखेरा गांव में मोलिगे मरैया मंदिर की ओर जाने वाली सड़क पर घटी। वे सड़क पर जा रहे थे तभी अचानक विस्फोट हुआ।


ನಗರಸಭೆ ಕಾರ್ಯಾಲಯ, ನೆಲಮಂಗಲ
ಬೆಂಗಳೂರು ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಜಿಲ್ಲೆ-562123.
ದೂ: 080-27722135, ಇ-ಮೇಲ್: ka.nelmangala.cmc@gmail.com,
Web:- www.nelamangalacity.mrc.gov.in

ಸ್ವಚ್ಛ ಭಾರತ

ಸಂಖ್ಯೆ: ನಸನೆ/ತಾಂತ್ರಿಕ(ವಿ)/ಟೆಂಡರ್/69/2025-26 ದಿನಾಂಕ: 31.01.2026

ದರಪಟ್ಟಿ/ ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರಕಟಣೆ

ಪೌರಾಯುಕ್ತರು ನಗರಸಭೆ ನೆಲಮಂಗಲ ಬೆಂಗಳೂರು ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಜಿಲ್ಲೆ ಇವರಿಂದ 2025-26ನೇ ಸಾಲಿನ ನಗರಸಭಾ ನಿಧಿ ಅನುದಾನದಡಿ ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಕಾಮಗಾರಿಗಳಿಗೆ ಕರ್ನಾಟಕ ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ಇಲಾಖೆ ನೋಂದಾಯಿತರಾದ ಅರ್ಹ ದರ್ಜೆ ಗುತ್ತಿಗೆದಾರರಿಂದ ಐಟಂವಾರು ಮ್ಯಾನುಯಲ್-ಟೆಂಡರ್‌ನ್ನು ಕೆ.ಟಿ.ಪಿ.ಪಿ-2000ರನ್ವಯ ಆಹ್ವಾನಿಸಲಾಗಿದೆ. ಈ ಮೂಲಕ ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ ಅರ್ಜಿ ಸಲ್ಲಿಸಲು ಕೋರಲಾಗಿದೆ.

| ಕ್ರ ಸ | ಕಾಮಗಾರಿ ವಿವರ | ಅಂದಾಜು ಮೊತ್ತ ರೂ. ಲಕ್ಷಗಳಲ್ಲಿ | ಇ.ಎಂ.ಡಿ ಮೊತ್ತ | ಟೆಂಡರ್ ಫಾರಂ ಮೊತ್ತ |
|---|---|---|---|---|
| 1 | ನೆಲಮಂಗಲ ನಗರಸಭೆ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯ ವಾರ್ಡ್ ಸಂಖ್ಯೆ 13ರಲ್ಲಿ ಅಂತರ್ಜಲ ಲಭ್ಯವಿರುವ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಕೊಳವೆ ಬಾವಿ ಕೊರೆಯುವ ಕಾಮಗಾರಿ | 5.00 | 12500/- | 1200/- (ಜಿ.ಎಸ್.ಟಿ ಸೇರಿಸಿ) |
| 2 | ನೆಲಮಂಗಲ ನಗರಸಭೆ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯ ಘನತ್ಯಾಜ್ಯ ವಿಲೇವಾರಿ ಘಟಕದಲ್ಲಿ ಎಂ. ಆರ್.ಎಫ್ ಕಟ್ಟಡ ನಿರ್ಮಾಣ ಮಾಡಲು Rock Blasting ಮಾಡುವ ಕಾಮಗಾರಿ | 5.00 | 12500/- | 1200/- (ಜಿ.ಎಸ್.ಟಿ ಸೇರಿಸಿ) |

1. ಖಾಲಿ ಟೆಂಡರ್ ನಮೂನೆ ಕೊರಿ ಅರ್ಜಿ ಸಲ್ಲಿಸಲು ಹಾಗೂ ಖಾಲಿ ಟೆಂಡರ್ ನಮೂನೆ ಪಡೆಯಲು ಕೊನೆಯ **ದಿನಾಂಕ: 13.02.2026ರ ಸಂಜೆ 16.30 ಗಂಟೆವರೆಗೆ.** 2. ಭರ್ತಿ ಮಾಡಿದ ಟೆಂಡರ್ ಫಾರಂಗಳನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸುವ ಕೊನೆಯ **ದಿನಾಂಕ: 16.02.2026ರ ಸಂಜೆ 16.30 ರ ವರೆಗೆ.** 3. ಟೆಂಡರ್ ಫಾರಂಗಳನ್ನು ತೆರೆಯುವ **ದಿನಾಂಕ: 18.02.2026ರ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ 11.00 ಗಂಟೆಗೆ ಅಥವಾ ಮುಂದಿನ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ತೆರೆಯಲಾಗುವುದು.** 4. ಒಂದು ವೇಳೆ ಮೇಲೆ ಸೂಚಿಸಲಾಗಿರುವ ದಿನಾಂಕಗಳು ಸಾರ್ವಜನಿಕ ರಜಾ ದಿನಗಳನ್ನಾಗಿ ಘೋಷಿಸಲ್ಪಟ್ಟರೆ ಮುಂದಿನ ದಿನಾಂಕಗಳನ್ನು ಪರಿಗಣಿಸಲಾಗುವುದು.

**ಷರತ್ತುಗಳು:-** 1) ಸರ್ಕಾರದಿಂದ ಬಿಡುಗಡೆಯಾಗುವ ಅನುಧಾನಕ್ಕೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ಕ್ರಮವಾಗಿ ಆದ್ಯತೆ ಮೇರೆಗೆ ಕಾಮಗಾರಿಗಳ ಬಿಲ್ ನೀಡಲಾಗುವುದು. 2) ಕೆಡಬ್ಲ್ಯೂ-1ರಲ್ಲಿ/ಕೆಜಿ-1/ಕೆಸಿ-1ರಲ್ಲಿ ಇರುವ ನಿಭಂದನೆಗಳಿಗೆ ಬದ್ಧರಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು. 3) ಟೆಂಡರ್‌ನ್ನು ಯಾವುದೇ ಕಾರಣ ನೀಡದೇ ರದ್ದುಗೊಳಿಸುವ ಅಧಿಕಾರವನ್ನು ನಗರಸಭೆ ಹೊಂದಿದೆ. 4) ಇತರೆ ಷರತ್ತುಗಳಿಗಾಗಿ ಮತ್ತು ಹೆಚ್ಚಿನ ವಿವರಗಳಿಗಾಗಿ ಕಛೇರಿ ವೇಳೆಯಲ್ಲಿ ತಾಂತ್ರಿಕ ಶಾಖೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಪರ್ಕಿಸಬಹುದಾಗಿದೆ ಅಥವಾ ನಗರಸಭೆಯ ಅಂತರ್‌ಜಾಲ www.nelamangalacity.gov.in ನಲ್ಲಿ ಪಡೆಯಬಹುದಾಗಿದೆ.

ಸಹಿ/- ಶ್ರೀ ಗಣೇಶ ಎನ್, ಮಾನ್ಯ ಅಧ್ಯಕ್ಷರು ನಗರಸಭೆ, ನೆಲಮಂಗಲ
ಸಹಿ/- ಶ್ರೀ ಆನಂದ್ ಜಿ, ಮಾನ್ಯ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷರು ನಗರಸಭೆ, ನೆಲಮಂಗಲ
ಸಹಿ/- ಶ್ರೀ ಬಿ. ಪದ್ಮನಾಬ್, ಮಾನ್ಯ ಸ್ಥಾಯಿ ಸಮಿತಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷರು ನಗರಸಭೆ, ನೆಲಮಂಗಲ
ಸಹಿ/- ಶ್ರೀ ಗಂಗಾಧರ ಹೆಚ್, ಪೌರಾಯುಕ್ತರು ನಗರಸಭೆ, ನೆಲಮಂಗಲ

ವಾಸಾಸಂಇ/ವಾ.ಪ್ರ/ಎಎಎ/5337/2025-26

# ग्राम उत्थान शिविरों में लाखों ग्रामीण हो रहे लाभान्वित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान को ऐसा प्रदेश बनाया है, जहां युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर, गरीबों का उत्थान और किसानों का जीवन खुशहाल हो रहा है। इसी कड़ी में ग्राम उत्थान शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक करते हुए पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। ये शिविर प्रदेश के हर गिरदावर सर्किल पर लगाए जा रहे हैं, ताकि किसानों और ग्रामीणों को सभी सेवाएं नजदीक उपलब्ध हो सकें।

शर्मा शनिवार को टोंक के निवाई में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम उत्थान शिविरों में किसानों, पशुपालकों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। अब तक पूरे प्रदेश में 941 ग्राम उत्थान शिविर लगाकर लाखों ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया है। इनमें 50 हजार से अधिक सोइल हेल्थ कार्ड और 33 हजार स्वामित्व कार्ड का वितरण किया गया है। 2 लाख 60 हजार पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा और 20 हजार पशुओं का टीकाकरण किया गया है। वहीं, पीएम सूर्य घर योजना के तहत 20 हजार पंजीकरण भी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि जब गांव आगे बढ़ेगा, तभी देश आगे बढ़ेगा। हाल ही में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार वीबी जी राम जी कानून लेकर आई है, जिसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। इसके माध्यम से ऐसे स्थायी विकास के कार्य होंगे जो गांवों में जल सुरक्षा, बुनियादी ढांचा और आजीविका संवर्धन में कारगर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि योजना में तकनीक के माध्यम से कार्य पारदर्शी तरीके से होंगे। इससे हर श्रमिक को पैसा समय पर मिलेगा। यह कानून ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलेगा और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सशक्त भूमिका निभाएगा।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री देश के किसान, युवा, महिला और मजदूर चारों वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने देश में विकास एवं गरीब कल्याण की योजनाओं से दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया है। महिलाओं के लिए 450 रुपये में गैस सिलेण्डर तथा किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राहत दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य कर रही है। पानी की प्राथमिकता को समझते हुए हमने रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, गंगनहर की मरम्मत जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में राजस्थान के 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को 9 हजार रुपये दे रही है। पिछले दो साल में प्रदेश के किसानों को 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे खातों में भेजी गई है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर दे रही है। राइजिंग राजस्थान समिट के माध्यम से प्रदेश में निवेश एवं रोजगार के नए मार्ग प्रशस्त हुए हैं। हमारी मंशा है कि युवा रोजगार प्रदाता भी बने इसलिए हमारी सरकार द्वारा राजस्थान युवा पॉलिसी लाई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर युवाओं को नियुक्तियां दे चुकी है। 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। वहीं, इस वर्ष के लिए एक लाख सरकारी पदों पर भर्तियों का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। प्रदेश में सभी भर्तियां पूरी पारदर्शिता से हो रही हैं। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि वे मन लगाकर पढ़ाई करे, सरकार आपके साथ खड़ी है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने टोंक को 370 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 64 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न लोकार्पण और शिलान्यास शामिल है। साथ ही, उन्होंने मल्टी क्रॉप थ्रेसर अनुदान, किसान क्रेडिट कार्ड, गोपाल क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता, शेडनेट हाउस तथा पॉली हाउस की सब्सिडी योजनाओं के लाभार्थियों एवं राजीविका दीदी समूहों को प्रतीकात्मक रूप से चैक वितरित किए और पीएम कुसुम योजनान्तर्गत सोलर पम्प प्रमाण-पत्र भी सौंपे। इससे पहले शर्मा ने ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन भी किया।

## अशोक गहलोत ने गुजरात की कंपनी फर्जी पाए जाने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में करोड़ों रुपए का टेंडर पाने वाली गुजरात की एक फर्म के कथित तौर पर फर्जी पाए जाने को लेकर शनिवार को भाजपा सरकार पर निशाना साधा और इसे भाजपा सरकार के संरक्षण में पनपे घोटाले का प्रतीक बताया। गहलोत ने एक खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' पर लिखा, राजस्थान के व्यापारी दो साल से यह शिकायत कर रहे हैं कि गुजरात की फर्मों और ठेकेदारों को यहां लगातार ठेके दिए जा रहे हैं। यह किसको खुश रखने की कवायद है सब जानते हैं। इसी कारण ऐसे फर्जीवाड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान में 456 करोड़ रुपए के सोलर टेंडर और 46 करोड़ रुपए एडवांस का मामला केवल एक फर्जी फर्म का नहीं, बल्कि भाजपा सरकार के संरक्षण में पनपे घोटाले का प्रतीक है।'

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा- विडंबना यह है कि जो भाजपा सरकार गरीब आदमी को 1000 रुपये पेंशन देने में भौतिक सत्यापन करती है वह 456 करोड़ रुपए का टेंडर फर्म का भौतिक सत्यापन किए बिना दे देती है। उन्होंने सवाल उठाया कि बिना बैंक गारंटी सत्यापन, बिना तकनीकी जांच, एक गुजराती फर्म को इतनी बड़ी राशि कैसे और किसके निर्देश पर दे दी गई।

## पेट दर्द की शिकायत के बाद सोनम वांगचुक को जोधपुर के एम्स ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

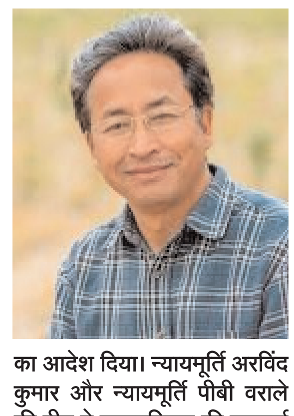

जोधपुर। कार्यकर्ता और वैज्ञानिक सोनम वांगचुक को शनिवार तड़के चिकित्सा जांच के लिए जोधपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) लाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वांगचुक, 27 सितंबर, 2025 से जोधपुर केंद्रीय कारागार में हैं। अधिकारियों ने बताया कि वांगचुक ने अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में लगभग डेढ़ घंटा बिताया। एम्स सूत्रों के अनुसार, वांगचुक को पेट संबंधी समस्याएं थीं और वह शुक्रवार को भी जांच के लिए अस्पताल आए थे।

उच्चतम न्यायालय ने वांगचुक की चिकित्सा रिपोर्ट दो फरवरी तक प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। न्यायालय वर्तमान में वांगचुक की पत्नी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा है। अधिकारी ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद शनिवार सुबह पुलिस वांगचुक को जोधपुर केंद्रीय कारागार से एम्स अस्पताल के आपातकालीन विभाग में लाई।

वांगचुक जेल में काफी समय से अपनी बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता जता रहे थे। न्यायालय ने वांगचुक के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए बृहस्पतिवार को जोधपुर जेल प्रशासन को किसी विशेषज्ञ चिकित्सक से उनकी जांच कराने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने बृहस्पतिवार की सुनवाई के दौरान जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वांगचुक की जांच किसी सरकारी अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट) से कराई जाए।

राजस्थान सरकार के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने सुनवाई के दौरान बताया कि जेल के चिकित्सकों ने पिछले चार महीनों में वांगचुक की 21 बार जांच की है और आखिरी जांच 26 जनवरी को हुई थी। वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल ने इस बात का विरोध करते हुए दावा किया कि जेल के पानी की गुणवत्ता खराब होने के कारण वांगचुक को लगातार पेट दर्द हो रहा है। न्यायालय ने सिब्बल की दलील को स्वीकार करते हुए कहा कि मरीज की जरूरत के अनुसार विशेषज्ञ से चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

## मुख्य सचिव ने शिविर का अवलोकन कर लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र में श्यामपुरा कलां में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए। उन्होंने काश्तकारों के साथ संवाद कर सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से उन्हें मिल रहे लाभ के संबंध में फीडबैक लिया। इस दौरान मुख्य सचिव ने पालूदा में पॉली हाउस का अवलोकन कर वहां हो रही जरबेरा फूलों की खेती के बारे में जानकारी ली। मुख्य सचिव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार किसानों को केन्द्रित करते हुए ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के बाद जयपुर में वृहद स्तर पर ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) -2026 का आयोजन प्रस्तावित है, जहां खेती एवं पशुपालन की आधुनिकतम तकनीक से किसानों को रूबरू कराया जाएगा। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के पॉली हाउस की दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्रालय तक चर्चा होती है। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य की विभिन्न कृषक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान पीएम सूर्य घर योजना में सोलर प्लांट से बिजली बेचकर किसान बढ़िया आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान काश्तकारों से पॉली हाउस, मछली पालन, फार्म पौण्ड, तारबंदी एवं पीएम सूर्य घर सहित विभिन्न योजनाओं से मिल रहे फायदों के बारे में जानकारी ली। काश्तकारों ने अवगत कराया कि उन्हें पॉली हाउस से अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। एक पॉली हाउस से हर साल 10 से 20 लाख रुपए के बीच आय हो जाती है।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार एवं लालसोट विधायक रामबिलास मीणा ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र सौंपे। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम उत्थान शिविरों में किसानों को विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करने के साथ आवेदन तैयार करवाए जा रहे हैं, जिनकी स्वीकृतियां जारी की जाएगी। उन्होंने क्षेत्र में पॉली हाउस फार्मिंग के प्रति किसानों के बढ़ते रूझान को रेखांकित करते हुए बताया कि दौसा जिले में नवाचार करते हुए पॉली हाउस के लिए किसानों को सरकारी अनुदान के अलावा सहकारी बैंकों से रियायती ब्याज दर पर 10 लाख रुपए तक ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने किसानों से समन्वित खेती का मॉडल अपनाकर अधिक आय प्राप्त करने का आग्रह किया।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक रामराज मीणा ने बताया कि शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गृह प्रवेश की 24 चाबियां, स्वामित्व योजना के 20 पट्टे, तारबंदी के 21, मृदा स्वास्थ्य कार्ड 75, फव्वारा संयंत्रा आवेदन 27, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के 2 तथा मुख्यमंत्री कृषि साथी सहायता योजना, पॉली हाउस निर्माण, पाइपलाइन, कृषि यंत्रा, फार्म पौण्ड योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के एक-एक लाभार्थी को अनुदान स्वीकृति पत्र, पट्टे एवं आवास गृह प्रवेश की चाबियां सौंपे गए। शिविर में दिनभर में एक हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया।

## जयपुर के तीन बांधों का वैज्ञानिक अध्ययन, प्रदूषित जल से होंगे मुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के तीन प्रमुख बांधों - कानोता, चंदलाई और नेवटा को जल प्रदूषण से मुक्त करने और लंबे समय तक उनके संरक्षण और विकास की संभावनाओं का आकलन करने के लिए विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह अध्ययन केंद्र सरकार द्वारा अधिकृत एजेंसी के विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। इस अध्ययन के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) जल्द ही राज्य सरकार को सौंपी जाएगी।

राज्य के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह अध्ययन एक महीने में पूरा होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के आधार पर इन बांधों के संरक्षण के लिए विस्तृत योजना तैयार की जाएगी ताकि इन जगहों को विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि अध्ययन में विशेषज्ञ जल गुणवत्ता में सुधार, प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, जीआईएस आधारित मानचित्रण, जैव विविधता संरक्षण, जल उपचार की आधुनिक तकनीकों का उपयोग तथा स्थानीय आजीविका सृजन और पर्यावरण पर्यटन की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

मंत्री ने कहा, रिपोर्ट में बांधों पर पर्यटन विकास की संभावनाओं को भी रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। इसमें बोटिंग सुविधा, ग्रीन लैंड विकसित कर पर्यटन को प्रोत्साहन दिए जाने जैसे प्रस्ताव भी शामिल होंगे। रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता और दूरदृष्टि से राजस्थान जल और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक सशक्त और अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के अभिनव प्रयास वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सतत भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं।

## पंखों की उड़ान और आर्द्रभूमियों की पुकार के साथ संरक्षण का उत्सव शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। धरती की आर्द्रभूमियों को बचाने और आसमान में परिंदों की चहचहाहट को फिर से सजीव करने के संकल्प के साथ जयपुर बर्ड फेस्टिवल2026 का भव्य शुभारंभ शनिवार को कानोता कैंप रिजॉर्ट, जामडोली (जयपुर) में हुआ। गेळप ींहश उशश्रशलीरींळेप`ष थळपसी थशींश्रपवी थीम पर आधारित इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय आयोजन ने पहले ही दिन प्रकृति प्रेम, संरक्षण चेतना और रचनात्मक अभिव्यक्ति के रंग बिखेर दिए। ग्रीन पीपल सोसायटी (जयपुर चैप्टर) द्वारा राज्य सरकार के वन विभाग एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल का उद्घाटन संरक्षण विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और प्रकृति प्रेमियों की गरिमामय उपस्थिति में हुआ।

ग्रीन पीपल सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं जयपुर बर्ड फेस्टिवल के संयोजक विक्रम सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस) ने बताया कि यह आयोजन पिछले 12 वर्षों से राष्ट्रीय पहचान बना चुके उदयपुर बर्ड फेस्टिवल से प्रेरित है और जयपुर में यह पहल प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

फेस्टिवल के पहले दिन आयोजित मुख्य सत्र में विद्यार्थियों के लिए नेचर क्विज, पेंटिंग प्रतियोगिता, बर्ड फोटोग्राफी, बटरफ्लाई एवं पेंटिंग प्रदर्शनी, फिलैटली (डाक टिकट) प्रदर्शनी, रैप्टर्स प्रदर्शनी तथा अत्याधुनिक वीआर एक्सपीरियंस आकर्षण का केंद्र रहे। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में पक्षियों व आर्द्रभूमियों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

फेस्टिवल के तहत आयोजित बर्ड वाचिंग सत्र में बर्ड एक्सपर्ट डॉ. सतीश शर्मा, विक्रम सिंह, राहुल भटनागर, वीरेंद्र सिंह बेड़सा, मनोज कुलश्रेष्ठ, डॉ. कमलेश शर्मा, निर्मल मेनारिया सहित अन्य विशेषज्ञों ने बच्चों को शॉवलर, स्पॉट-बिल डक, ग्रे हेरॉन, इग्रेट, कॉरमोरेंट, ग्रेब, कूट्स, पेराकिट्स, मैना सहित 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों से रूबरू कराया और उनके आवास, भोजन, प्रवास व प्रजनन से जुड़ी रोचक जानकारियां दीं।

डूंगरपुर के बटरफ्लाई एक्सपर्ट मुकेश पंवार ने राजस्थान की प्रमुख तितलियों पर जानकारी देते हुए पांच तितलियों की लाइव लाइफ साइकल प्रदर्शित की, जिसने बच्चों में विशेष उत्सुकता जगाई। वहीं उदयपुर की फिलैटली एक्सपर्ट पुष्पा खमेसरा द्वारा भारत सहित विभिन्न देशों के 2 हजार से अधिक पक्षी-आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाकर संरक्षण संदेश दिया गया। इस मौके पर क्विज व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

राजस्थान में पाए जाने वाले प्रमुख पक्षियों पर आधारित फोटो व पेंटिंग्स की प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों और आगंतुकों का मन मोहा। लाइव पेंटिंग में संतकुमार, शिवानी, महक भूरिया, आयुषी शर्मा ने अपनी कला प्रस्तुत की, वहीं विवेक तोमर और अनुज तोमर ने ओरिगामी व किरिगामी आर्ट के माध्यम से बिना कैंची और गोंद के कागज से आकर्षक पक्षी आकृतियां बनाकर बच्चों को रचनात्मकता से जोड़ा।

## राजस्थान में बादल छाए रहने और बारिश-ओलावृष्टि की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के अनेक इलाकों में शनिवार से बादल छाए रहने व बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, आज एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से 31 जनवरी व एक फरवरी को जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर संभाग तथा शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में बादल छाए रहने व आकाशीय बिजली के साथ कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक और नया पश्चिमी विक्षोभ दो फरवरी को सक्रिय होगा जिससे पूर्वी राजस्थान के कोटा, जयपुर, अजमेर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश की गतिविधियां 3-4 फरवरी को भी जारी रहने की संभावना है।

हालांकि, इस दौरान पश्चिमी व दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गयी। सर्वाधिक बारिश वनस्थली (टोंक) में 2.1 मिलीमीटर हुई। इस दौरान राज्य में कहीं-कहीं पर हल्का से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहा। राजस्थान में इस दौरान अधिकतम तापमान जवाई बांध (पाली) में 28.0 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान अलवर में 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवादी से की बात 2 घंटे में ही संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदना का हुआ निस्तारण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सुशासन एवं आमजन को राहत देने के प्रयासों के तहत स्वयं अनूठी मिसाल पेश करते हुए संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरण के परिवादी से संवाद कर हाथों-हाथ राहत प्रदान करवाई और तद्रूप जिला प्रशासन डूंगरपुर ने भी तत्परता दिखाते हुए मात्र 2 घंटे में ही परिवेदना का निस्तारण कर सुशासन की मिसाल पेश की। मुख्यमंत्री शर्मा के प्रदेश में पारदर्शी एवं सुशासन के लगातार प्रयासों के बीच संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के परिवादियों से संवाद करने तथा उनका समाधान करने की अनूठी पहल की गई है। इसी के तहत शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर के बोडीगाम छोटा निवासी जितेंद्र सिंह से संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरण के संबंध में बात की। जिस पर जितेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों के मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र हेतु 7 दिन पूर्व आवेदन किया था और इस संदर्भ में परिवेदना दर्ज की है। इस पर मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला कलेक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह को अवगत कराने पर जिला कलक्टर द्वारा तत्काल कार्यवाही करवाते हुए मात्र 2 घंटे में ही हाथों हाथ मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र जारी कर परिवादी को राहत प्रदान की गई। जिला कलक्टर सिंह ने बताया कि साबला तहसील के बोडीगाम छोटा निवासी जितेंद्र सिंह ने अपने बच्चों संयम एवं क्रिया के मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र बनवाने के आवेदन के संबंध में संपर्क पोर्टल पर गुरुवार को परिवेदना प्रस्तुत की थी।

## अदालत ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार युवक को पुलिस हिरासत में भेजा

जयपुर। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार एक युवक को जयपुर की एक अदालत ने शनिवार को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी युवक झबराराम को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था तथा आज उसे एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि अदालत ने उसे चार फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक (पुलिस इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि पोकरण में सांकड़ा थानाक्षेत्र के नेडान गांव में झबराराम (28) की गतिविधियां संदिग्ध पाए जाने पर उसे हिरासत में लिया गया था।

## सुरों और संवेदना के समावेशन के साथ हुआ 'आयो बसंत' का बसंती आगाज

जयपुर/दक्षिण भारत। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान द्वारा वेस्ट ज़ोन कल्चरल सेंटर, नॉर्थ ज़ोन कल्चर सेंटर एवं उस्ताद इमामुद्दीन ख़ान डागर म्यूज़िक एंड कल्चर सोसायटी के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव 'आयो बसंत' का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को जवाहर कला केंद्र, जयपुर में हुआ। यह महोत्सव भारतीय कला-संस्कृति की जीवंत परंपराओं को समकालीन रचनात्मक अभिव्यक्तियों से जोड़ने वाला एक सशक्त मंच बनकर उभरा।

महोत्सव के पहले दिन प्रातः कृष्णायन सभागार में आयोजित रील मेकिंग एवं मोबाइल सेल्फ़ी वर्कशॉप में युवाओं और कला-प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कलाकार नीरज सरना द्वारा संचालित इस कार्यशाला में डिजिटल माध्यमों के ज़रिये विचारों और कला को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के आधुनिक तरीकों पर संवाद हुआ। शाम का सत्र जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में ग्रामीण विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती श्रेया गुहा ने अतिथियों, कलाकारों एवं दर्शकों का स्वागत करते हुए कहा कि 'आयो बसंत' केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि संवेदना, समावेशन और रचनात्मक चेतना का उत्सव है।

# भारत में पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार से ज्यादा भ्रष्ट कोई सरकार नहीं है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/सिलीगुड़ी/भाषा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार जितनी भ्रष्ट कोई और सरकार देश में नहीं है।

सिलीगुड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य सरकार पर सीमा सुरक्षा उपायों में बाधा डालने और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जमीन उपलब्ध न कराने का भी आरोप लगाया। शाह ने कहा, मैंने संसद में कहा था कि बीएसएफ को बाड़ लगाने के लिए जमीन की जरूरत है। मैंने ममता बनर्जी को सात बार पत्र लिखा। मैं खुद भी उनके कार्यालय गया, लेकिन फिर भी जमीन नहीं दी गई।

गृह मंत्री ने यह आरोप भी लगाया कि टीएमसी सरकार पश्चिम बंगाल में समुदायों के बीच तनाव को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी ने यह सुनिश्चित किया है कि बंगाल में हर समुदाय एक-दूसरे से लड़े, जिससे राज्य की एकता के लिए खतरा पैदा हो रहा है। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अमित शाह ने कहा कि भाजपा उत्तर बंगाल की सभी सीट पर जीत हासिल करेगी, क्योंकि लोग टीएमसी के सिंडिकेट राज और भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि राज्य के अधिकारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने में निर्वाचन का सहयोग नहीं कर रहे।

इससे पहले, उत्तर 24 परगना के बैरकपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बड़ी बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने टीएमसी सरकार पर घुसपैठियों को बचाने, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और चुनावी फायदे के लिए जानबूझकर सीमा सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया।

शाह ने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का गठन अब सिर्फ एक राजनीतिक मकसद नहीं, बल्कि ''राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत'' है। उन्होंने यह दावा भी किया कि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो जाएगी। शाह ने आरोप लगाया, ''जिस तरह से पश्चिम बंगाल में घुसपैठ हो रही है, वह पूरे देश के लिए सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। अदालत के आदेश के बाद भी तृणमूल सरकार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन नहीं दे रही है, क्योंकि घुसपैठिए उसके वोट बैंक हैं।'' उन्होंने दावा किया कि राज्य में प्रशासन और पुलिस अवैध प्रवासियों को नहीं रोक रही है, जिन्हें जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके पूरे देश में भेजा जा रहा है।

शाह ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने यह स्वीकार किया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीमा पर बाड़ लगाने के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने में सहयोग नहीं कर रही हैं।

उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि चाहे ममता बनर्जी उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार 31 मार्च तक भूमि उपलब्ध कराएं या नहीं, अप्रैल में भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही 45 दिनों के भीतर सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा कर दिया जाएगा।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा अपने वादों को पूरा करने का रिकॉर्ड रखती है।

## सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन (मध्य) नई दिल्ली के लाल किला लॉन में आयोजित भारत पर्व 2026 के समापन समारोह में शामिल होते हुए।

# राष्ट्रपति मुर्मू ने लोगों से गुरु रविदास की शिक्षाओं को आत्मसात करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरु रविदास जयंती की पूर्व संध्या पर शनिवार को शुभकामनाएं दीं और नागरिकों से उनके उपदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करने एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह किया।

मुर्मू ने कहा कि गुरु रविदास पूजनीय संत और समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से समानता, सामाजिक न्याय और प्रेम का संदेश दिया। राष्ट्रपति ने कहा, ''सादगी और नैतिक अनुशासन के मार्ग पर चलकर उन्होंने जाति और धर्म के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त करने के लिए अथक प्रयास किया। गुरु रविदास जी के विचार सदा प्रासंगिक रहेंगे और मानवीय मूल्यों को अपनाने की दिशा में हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। आइए हम उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रियता से योगदान दें।''

# शाह देश के सबसे नाकाम गृह मंत्री हैं: अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को देश का सबसे नाकाम गृह मंत्री करार दिया और उन पर आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने तथा राजनीतिक विरोधियों पर दोष मढ़ने का आरोप लगाया।

शहर के हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि शाह जैसे नेता केवल पर्यटक हैं, जो चुनाव के समय राज्य में आते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं और फिर सब भूल जाते हैं। अभिषेक बनर्जी ने शाह पर पलटवार करते हुए यह टिप्पणी की, आनंदपुर आग त्रासदी में हुई मौतों के लिए ममता बनर्जी सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। बनर्जी ने कहा, शाह जैसे भाजपा नेता लाशों पर राजनीति कर रहे हैं और गिद्धों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भाजपा शासित गोवा में नाइटक्लब आग में हुई मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? मध्य प्रदेश में दूषित पानी की समस्या के लिए किसे दोष देना चाहिए? राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में 140 से अधिक लोगों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है? नोटबंदी के समय लंबी कतारों में खड़े होने के कारण हुई लोगों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है?

बनर्जी ने शाह को भारत का सबसे विफल और फर्जी गृह मंत्री बताया और कहा, अगर वह घुसपैठ की बात करते हैं, तो उन्हें जिम्मेदारी लेनी चाहिए, क्योंकि सीमा की सुरक्षा करने वाली बीएसएस गृह मंत्री के अधीन है।

# अयोध्या में राम मंदिर के सभी निर्माण कार्य 30 अप्रैल तक पूरे होने की उम्मीदः नृपेंद्र मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या (उप्र)/भाषा।** राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को बताया कि अयोध्या में राम मंदिर से संबंधित सभी निर्माण कार्य 30 अप्रैल तक पूरे होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया परियोजना की कुल लागत लगभग 1,900 करोड़ रुपए है।

राम मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद, मिश्र ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) और टाटा कंसल्टेंसी, जो निर्माण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, निर्माण पूरा होने के बाद 30 अप्रैल तक मंदिर परिसर से चली जाएंगी। उन्होंने कहा कि सभी कागजी कार्रवाई और बिल भुगतान की प्रक्रिया को भी इसी तारीख तक पूरा करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

मिश्र ने कहा, एल एंड टी और टाटा कंसल्टेंसी ने अपने द्वारा किए गए सभी कार्यों के लिए तीन साल की वारंटी दी है। रखरखाव के लिए, दोनों संगठनों की एक छोटी टीम मंदिर परिसर के अंदर तैनात रहेगी। उन्होंने कहा कि एल एंड टी, टाटा कंसल्टेंसी और राज्य निर्माण निगम के साथ हुए सभी समझौते 30 अप्रैल के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अधीन आ जाएंगे।

खर्च का विवरण देते हुए मिश्र ने बताया कि राम मंदिर परियोजना पर कुल अनुमानित व्यय लगभग 1,900 करोड़ रुपए है, जिसमें से लगभग 1,600 करोड़ रुपए (जीएसटी सहित) का भुगतान पहले ही किया जा चुका है।

अधिकारियों ने बताया कि बैठक में निर्माण और संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और परियोजना पूरी होने की अंतिम समयसीमा और जिम्मेदारियों के हस्तांतरण पर चर्चा हुई।

## आरती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को माघ मेला के दौरान माघी पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर एक साधु संध्या आरती और धार्मिक अनुष्ठान करते हुए।

# सिब्बल ने गिरते रुपए को लेकर मोदी पर साधा निशाना

**नई दिल्ली/भाषा।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने को लेकर सरकार पर हमला करते हुए राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को पूछा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे पर ''चुप'' क्यों हैं। सिब्बल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री इसलिए चुप हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि वह एक राजनीतिक खेल के तहत इस मुद्दे पर पिछली संप्रग सरकार की आलोचना किया करते थे। उन्होंने कहा कि जब मोदी सत्ता में आए थे, तब रुपए की विनिमय दर प्रति डॉलर 63 थी और अब यह 92 है। सिब्बल ने कहा कि इसका मतलब यह है कि भारत में आयात होने वाली हर चीज अब महंगी हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, लेकिन किसी अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा यह है कि क्या वह लोगों के दर्द को कम करती है, और प्रति व्यक्ति आय इसका एक संकेतक है। उन्होंने कहा, ''भारत की प्रति व्यक्ति आय साल में करीब 2,800 डॉलर है, जो ब्राजील, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसी कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं से कम है। इसका मतलब है कि यहां औसत व्यक्ति की जेब में दूसरों की तुलना में कम पैसा है।''

# 'भारत जोड़ो यात्रा' देश की राजनीति में एक परिवर्तनकारी घटना है: कांग्रेस

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' देश की राजनीति में एक अत्यंत परिवर्तनकारी घटना थी, जिसने लोगों तक तीन संदेश पहुंचाए जिनमें बढ़ती आर्थिक असमानता, गहराता सामाजिक ध्रुवीकरण और बढ़ता राजनीतिक अधिनायकवाद शामिल है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक पोस्ट में याद दिलाया कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक की पदयात्रा तीन साल पहले श्रीनगर में गांधी के प्रेरणादायक भाषण के साथ समाप्त हुई थी।

रमेश ने पोस्ट में लिखा, ''राहुल गांधी और 200 से अधिक भारत यात्रियों ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4,000 किलोमीटर की पदयात्रा की। 145 दिनों से अधिक की यह यात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरी।'' उन्होंने लिखा, ''आर्थिक असमानताओं में बढ़ोतरी, गहराता सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक अधिनायकवाद में वृद्धि के तीन संदेशों को लोगों तक पहुंचाने वाली यह यात्रा हमारे देश की राजनीति में एक अत्यंत परिवर्तनकारी घटना थी।'' रमेश ने कहा कि यह यात्रा आने वाले दशकों तक याद रखी जाएगी। 'भारत जोड़ो यात्रा' 30 जनवरी, 2023 को समाप्त हुई। कन्याकुमारी से कश्मीर तक लगभग 4,000 किलोमीटर की इस यात्रा में कई दलों के नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ भाग लिया।

# हिमंत ने गुवाहाटी में अहोम राजवंश के संस्थापक को श्रद्धांजलि दी, प्रतिमा का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अहोम राजवंश के संस्थापक 'स्वर्गदेव चाओलुंग सिउ-का-फा' को श्रद्धांजलि अर्पित की और विभिन्न समुदायों को एकजुट करने में उनके योगदान को याद किया।

शर्मा ने गुवाहाटी में 'मे-डैम-मे-फी' के अवसर पर उनकी प्रतिमा का अनावरण भी किया। 'मे-डैम-मे-फी' ताई-अहोम समुदाय का एक धार्मिक अवसर है, जिसके दौरान देवी-देवताओं और पूर्वजों को प्रसाद चढ़ाया जाता है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, स्वर्गदेव चाओलुंग सिउ-का-फा ने भारतवर्ष के महानतम साम्राज्यों में से एक की स्थापना की, एक ऐसा साम्राज्य जो सर्वसम्मति से चलता था और विरासत एवं पहचान के संरक्षण में निहित था।

आज 'मे-डैम-मे-फी' के पवित्र अवसर पर हमने गुवाहाटी के प्रमुख स्थान पर उनकी भव्य मूर्ति का अनावरण किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक अन्य पोस्ट में कहा: अहोम राजवंश के संस्थापक की दूरदर्शी विरासत को याद करते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि स्वर्गदेव ने विभिन्न समुदायों को सौहार्द के बंधन में बाधकर 'बड़ असोम' की नींव रखी।

## गजराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को गुवाहाटी में एक महावत अपने हाथी के साथ व्यस्त यातायात के बीच से गुजरते हुए।

# सरकार के नीति निर्धारण में समन्वय की कमी, कांग्रेस ने बजट से पहले केंद्र पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर नीति निर्धारण में समन्वय की कमी का आरोप लगाते हुए शनिवार को सवाल किया कि क्या बजट के आंकड़ें पेश किए जाने के तुरंत बाद उनमें संशोधन किया जाएगा क्योंकि बजट के कुछ ही दिन बाद सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नई शृंखला जारी की जानी है।

कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 का बजट कल यानी रविवार को पेश किया जाएगा। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' राज्य सरकारें आशंकाग्रस्त होकर प्रतीक्षा कर रही होंगी कि उनके लिए इसमें क्या है क्योंकि वित्त मंत्री 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा करने वाली हैं।'' उन्होंने कहा कि वित्त आयोग एक ऐसा निकाय है जिसकी स्थापना संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत हर पांच वर्षों में (या उससे पहले) की जाती है ताकि वह केंद्र द्वारा एकत्र किए गए कर राजस्व में राज्यों की हिस्सेदारी, इस हिस्सेदारी का राज्यों के बीच वितरण और पांच वर्षों की अवधि के लिए विशेष अनुदानों की सिफारिश कर सके। उन्होंने कहा कि 16वां वित्त आयोग 2026-27 से 2030-31 तक की अवधि से संबंधित है।

रमेश ने कहा, ''लेकिन इसके अलावा दो और चिंताएं भी हैं। पहली-बजट के कई आंकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में प्रस्तुत किए जाएंगे। हालांकि ठीक 26 दिन बाद 27 फरवरी 2026 को 2022-23 को आधार वर्ष मानकर नई और अद्यतन जीडीपी शृंखला जारी होने वाली है।'' उन्होंने सवाल किया कि क्या एक फरवरी 2026 को बजट के आंकड़ें पेश किए जाने के तुरंत बाद उनमें संशोधन किया जाएगा?

रमेश ने कहा कि दूसरी चिंता यह है कि 2024 को आधार मानकर नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) शृंखला 12 फरवरी 2026 को जारी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''माना जा रहा है कि इस नई शृंखला में खाद्य कीमतों की हिस्सेदारी में तेज गिरावट दिखाई दे सकती है। अगर ऐसा होता है तो इसका भी बजट के आंकड़ों पर असर पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भी संशोधन किया जा रहा है और संभवतः इसे आने वाले कुछ महीनों में सार्वजनिक किया जाएगा।

# असम : छात्रा का यौन शोषण करने के आरोप में प्रधानाचार्य गिरफ्तार

**तेजपुर/भाषा।** असम के सोनितपुर जिले में एक सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य को एक छात्रा का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कक्षा नौ की छात्रा ने आरोप लगाया था कि 23 जनवरी को सरस्वती पूजा समारोह के दौरान प्रधानाचार्य ने अश्लील टिप्पणी की और उसे गलत तरीके से छुआ था।

अधिकारी ने बताया, इस घटना के बाद छात्रा स्कूल जाने से डर रही थी। उसने अपनी मां को इस बारे में बताया जिसके बाद परिवार के सदस्यों ने मिसामारी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर प्रधानाचार्य को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारी के अनुसार आरोपी 'ऑल असम हायर सेकेंडरी स्कूल प्रिंसिपल्स' संगठन का अध्यक्ष भी है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

# कपिल देव ने टी20 में भारत का समर्थन किया, टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

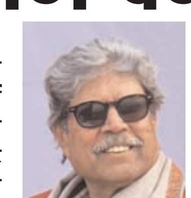

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत के महान क्रिकेटर कपिल देव का मानना है कि विश्व कप के लिए उतरने से पहले राष्ट्रीय टीम टी20 क्रिकेट में सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बनी हुई है लेकिन उन्होंने जोर दिया कि टेस्ट क्रिकेट को इस खेल की नींव बनाए रखना चाहिए।

भारत की तैयारी पर बात करते हुए कपिल ने कहा कि जहां सबसे छोटा प्रारूप लोकप्रिय हुआ है तो वहीं खेल की बेहतर सेहत सुनिश्चित करने के लिए लंबे प्रारूप पर भी उतना ही ध्यान देना चाहिए।

विश्व कप 1983 में भारत की खिताबी जीत के दौरान टीम के कप्तान रहे कपिल ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''मुझे लगता है कि इसे देखने के दो तरीके हैं। टी20 क्रिकेट में बेशक हमारी टीम सबसे अच्छी टीम में से एक हैआपका दिन कभी भी खराब हो सकता है। लेकिन अगर आप क्रिकेट की बात कर रहे हैं तो आपको टेस्ट क्रिकेट की बात करनी होगी।'' उन्होंने कहा, ''एकदिवसीय क्रिकेट को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैं समझता हूं कि टी20 क्रिकेट रोमांचक है लेकिन खेल का आधार टेस्ट क्रिकेट है और हमें इसके साथ एकदिवसीय क्रिकेट में भी अधिक समय निवेश करना चाहिए।''

चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान 15 फरवरी को कोलंबो में ग्रुप ए में भिड़ेंगे। जब पूछा गया कि क्या दोनों प्रतिद्वंद्वी टीम को राजनीतिक तनाव को देखते हुए क्या आपस में खेलना चाहिए तो कपिल ने कहा कि ऐसे फैसले अधिकारियों पर छोड़ देना ही बेहतर है और उन्होंने देश के रुख का समर्थन किया। कपिल ने कहा, ''मेरे जैसे लोगों के लिए इस पर बयान देना सही नहीं है। यह सरकार का फैसला है या क्रिकेट बोर्ड का। वे जो भी फैसला लेंगे मैं उस पर कायम रहूंगा क्योंकि मैं अपने देश के साथ खड़ा रहना पसंद करता हूं और बिना सोचे-समझे बयान नहीं देना चाहता।'' उन्होंने कहा, ''सीमा के आर-पार के कई क्रिकेटर ऐसा करना पसंद करते हैं- मैं नहीं। मैं अपने देश के साथ खड़ा रहना चुनता हूं और उनकी जो भी नीति है मैं उनके साथ हूं।'' जब यह पूछा गया कि क्या हाल ही में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट शृंखला गंवाने के बाद अलग-अलग प्रारूप के लिए अलग कोच की जरूरत है तो कपिल ने कहा कि पुराने खिलाड़ियों का इस पर दखल देना सही नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे फैसले बोर्ड के 'थिंक टैंक' पर छोड़ देने चाहिए। कपिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि मेरे लिए इस तरह का जवाब देना सही नहीं है। जो भी फैसला लिया जाए उसका सबसे अच्छा नतीजा निकलना चाहिए। जो लोग वहां बैठकर टेस्ट क्रिकेट, एकदिवसीय क्रिकेट और टी20 के बारे में फैसले ले रहे हैं, यह उनका काम है।'' उन्होंने कहा, ''हम जैसे लोगों के लिए अचानक बयान देना बहुत आसान है लेकिन मुझे ऐसा करना पसंद नहीं है। यह क्रिकेट बोर्ड और उसके थिंक टैंक की जिम्मेदारी है।''

## सुविचार

'एक गलती आपका अनुभव बढ़ा देती है और एक अनुभव आप की गलतियों को कम कर देता है

## ट्वीट

इंडी अलायंस वाले 'चिकन नेक' को काटने की बात करने वालों को जेल से निकालने के लिए कोर्ट में केस लड़ रहे हैं। 'चिकन नेक' को काटने की सोचने वालों से मैं कहना चाहता हूँ कि यह तुम्हारे पिताजी की नहीं, भारत की भूमि है।

-अमित शाह

राजस्थान के व्यापारी 2 साल से यह शिकायत कर रहे हैं कि गुजरात की फर्मों और ठेकेदारों को यहां लगातार ठेके दिए जा रहे हैं। यह किसको खुश रखने की कवायद है सब जानते हैं। इसी कारण ऐसे फर्जीवाड़े हो रहे हैं।

-अशोक गहलोत

## कहानी

मनीष वैद्य

# खिरनी

लड़का गली में खुलते किवाड़ से सटकर खड़ा था और लड़की आँगन में दीवाल के पास मिट्टी की छोटी-सी ओटली पर बैठी थी। आँगन उन दोनों के बीच था। लड़के ने गौर किया कि इतना वक्त गुजर जाने के बावजूद यह आँगन वैसा ही था। आँगन ही नहीं, कच्ची मिट्टी से बने इस घर के भूगोल में भी कोई खास बदलाव नहीं हुआ था। हाँ, इधर के दिनों में कुछ नई और चमकीली वस्तुएँ जरूर इसी पुराने और बेढब घर में बेतरतीबी से ठूँस दी गई है। लगता था कि इस घर ने अभी उन्हें अपने में मर्ज नहीं किया है या अपनेपन से स्वीकार नहीं किया है। फिर भी नए चलन की वे वस्तुएँ अपनी पूरी ढिठाई और बेहयाई से वहाँ मौजूद थी।

जबकि थोड़ी देर पहले ही उसने महसूस किया था कि इधर का गाँव काफी हद तक बदल गया था, अब वहाँ पहले जैसा बहुत कम ही बचा था। ज्यादातर नया-नवेला और सुविधा संपन्न। कच्ची मिट्टी के घर, लिपे-पुते फर्श, दीवारों के मांडने, खपरैलों और फूस की छतें, घंटियाँ टुनटुनाते मवेशियों के झुंड, काँच की अंटिया, लट्टू और गिल्ली-डंडा खेलती टुल्लरें, पनघट, चौपाल और वैसी जीवंत गलियाँ अब वहाँ नहीं थीं। न गाँव पानीदार था और न लोग ही पानीदार बचे थे। उनके चेहरों का नूर खो गया था, उमंग और हँसी-ठट्ठा भाप बनकर कहीं उड़ गए थे।

लड़के और लड़की के बीच जो आँगन फैला था, उसमें तीस बरस का वक्फा तैर रहा था। आँगन बहुत छोटा था और तीस बरस का वक्फा बहुत बड़ा था, लिहाजा वह उफन-उफन जाता था। लड़की की उजाड़ और सूनी आँखों में कहीं कोई हरापन नहीं था। हरापन तो दूर उनमें गीलापन भी नहीं था। उन थकी-थकी आँखों में पानी का कोई कतरा तक नहीं था। जैसे वह किसी अकाल के इलाके या रेगिस्तान से चली आई हो।

एक पल को उसकी आँखें लड़के को देखकर विस्मय से फैल गई, क्षणभर को मानो कोई बिजली-सी कौंधी और दूसरे ही पल फिर स्थायी बैराग फिर उन आँखों में समा गया। इस एक पल को लड़के ने अपनी आँखों में पकड़ लिया। लड़की ने लड़के की आँखों में झाँका। इस झाँकने में तीक्ष्णता थी और सूक्ष्मता भी। इसमें तीस साल की सहेजी हुई दृष्टि थी। लड़के की आँखों में बागों की ताजगी थी। झरने-सी उत्फुल्लता थी और वासंती बयारों का झौंका था। अपने पूरे सुदर्शन डील-डौल तथा शहरी अभिजात्य के साथ लड़का वहाँ मौजूद था। तभी अनायास कहीं से एक क्षीण-सी आवाज कौंधी - 'कब आए?'

लड़के के लिए यह सवाल अप्रत्याशित था। वह ऐसे किसी सवाल के जवाब के लिए कतई तैयार नहीं था। वह हड़बड़ा गया। फिर कुछ सँभलते हुए बोला - 'कल शाम...' उसका वाक्य अधूरा ही रह गया। लड़का झेंप गया था। लड़की के सपाट चेहरे पर हल्की-सी मुस्कान तैर गई। उसने अपनी मुस्कुराहट को होंठों के कोनों में दबाते हुए जाना कि लंबा वक्फा भी कुछ आदतें बदल नहीं पाता।

लड़की उस वक्फे के पार खड़ी थी। वह बहुत पीछे के वक्त में दाखिल हो चुकी थी, जहाँ लड़का उसके पीछे-पीछे जंगल में मीठी खिरनी के लालच में चला जा रहा था। उसे इस तरह जंगल में अकेले आने का अनुभव नहीं था। उसने जंगल के बारे में जो कुछ सुन रखा था, उससे उसे भीतर ही भीतर डर लग रहा था, लेकिन वह उसे लड़की के सामने प्रकट करना नहीं चाहता था। एक बार को उसकी इच्छा हुई कि वह पीछे से भाग निकले पर इतनी दूर आ गए थे कि अकेले लौटने में भटकने की आशंका थी। तभी न जाने कैसे लड़की ने जान लिया कि वह डर रहा है। लड़की ने लड़के का हाथ अपने हाथ में लेकर कहा - 'डरो मत, मैं यहाँ अक्सर आती हूँ, बस उस पहाड़ी के नीचे खिरनी के बड़े-बड़े पेड़ हैं। उनसे खूब पीली-पीली गलतान खिरनियाँ टपकती हैं। मैं तो पेड़ पर चढ़ जाती हूँ।'

लड़की के हाथ पकड़ लेने लड़के का डर कुछ कम हो गया था। उसने पूछा -'गलतान...? यह क्या होता है।' लड़की का हँस-हँस कर बुरा हाल था - 'बुद्धू, तुम्हें तो कुछ भी नहीं मालूम। गलतान मतलब खूब पका हुआ। डाल पर पके हुए खूब रसीले फलों को गलतान कहते हैं न। अब याद रखना।'

लड़की फिर हँसी - मैं भी तुमसे याद रखने को कह रही हूँ, तुम्हारे साथ रहते-रहते मैं भी कितनी बुद्धू हो गई हूँ। पता है कि तुम कभी कुछ याद नहीं रख सकते फिर भी तुमसे कह रही हूँ।'

लड़के को उसकी यही बात बुरी लगती है। हर बात में उसका मजाक उड़ाया करती है। लड़का चिढ़ गया।

'हाँ-हाँ, जानता हूँ तुम्हें भी, इतना ही याद रख लेती हो तो फिर स्कूल में हमेशा फिसड्डी क्यों रहती हो? वहाँ तो तेरह का पहाड़ा याद रखने में जान निकल जाती है।' लड़का गुस्से में पिनपिना रहा था।

लड़की ने अजीब-सा मुँह बिचकाया और हँसते हुए कहा - 'किताब में खिरनी का पेड़ और यह जंगल नहीं है न। ये होता तो तुम सब फेल हो जाते, मैं अव्वल आती... समझे।'

इतने में सामने खिरनी के पेड़ आ गए। पेड़ के नीचे की जमीन खिरनियों से पीली पड़ चुकी थी। खिरनियाँ बहुत मीठी थीं, लड़के का मुँह मिठास से भर गया। लड़की पकी हुई खिरनियों को बीन कर अपने फ्राक के घेर की खोली में इकट्ठा कर रही थी। लड़का भी पटापट अपने हाफपेंट की जेबें भर रहा था।

लड़के को लगा कि कुछ लड़कियाँ खिरनी के पेड़ की तरह होती हैं। दुनिया के कड़वेपन को वे मिठास में बदल देती हैं। लड़की की तंद्रा टूटी तो ऐन सामने लड़के का सवाल था - 'तुम कैसी हो?'

लड़की को यह सवाल अजीब-सा लगा। यह भी कोई पूछने की बात है भला। क्या किसी को देखकर ही नहीं मालूम होता कि वह कैसा है। फिर उसे यह पूछने की जरूरत क्यों पड़ी। लड़की ने आँखों में हल्की-सी चमक भरते हुए कहा - 'अच्छी हूँ...'

लड़के को लगा कि लड़की ने यह सफेद झूठ बोला है। वह अच्छी कैसे हो सकती है। उसे तो कोई अंधा भी देखकर कह सकता है कि वह ठीक नहीं है। कहाँ वह तीस साल पहले की उद्दंड, चुलबुली और बातूनी लड़की और कहाँ यह आज की घुन्नी, उदास, मेहँदी लगे बालों की उलझी लटों से घिरे रूखे और सपाट चेहरे पर सूनी आँखों वाली, मामूली साड़ी ओढ़े अपनी मरियल देह को ढोती हुई अधेड़-सी दिखती औरत।

लड़की को भी लगा कि उसका झूठ पकड़ लिया गया है, पर इसका जवाब भी तो यही हो सकता था न। लड़के को यह सवाल पूछना ही नहीं चाहिए था।

लड़की फिर लौट रही थी पीछे की ओर। बहुत पीछे छूट चुके समय में। वे दोनों देवी मंदिर की सीढ़ियों से छलाँग लगाते हुए नदी में कूद रहे थे। लड़की गंठा लगाकर नीचे तल तक जाती और वहाँ से मुट्ठी में कोई चिकना पत्थर या रेत लिए बाहर आती। लड़का किनारे पर ही तैरता रहता, उसे नदी की धार में जाने से डर लगता। लड़की बिजली की गति से इस पार से उस पार तक दौड़ी जाती। वह पानी की सतह पर चित लेटकर उल्टी तैरती तो कभी ऐसी डूबकी लगाती कि देर तक वह पानी में भीतर ही डूबी रहती और अक्सर अपनी जगह से दूर जाकर निकलती। चकित लड़का उसका दुस्साहस देखता रहता।

मछलियाँ लड़की की दोस्त हुआ करती थी। वह हर मछली को पहचानती थी और उनकी खूब सारी बातें उसके पास हुआ करती थी।

नदी में नहाने के बाद वह झाड़ियों के पीछे अपने गीले कपड़ों को इतनी जोर से निचोड़ती कि पानी की आखरी बूँद तक निचुड़ जाए। फिर उन्हें धूप में सुखाती और उनके सूखने तक वहीं खरगोश की तरह दुबककर बैठी रहती। इधर लड़का भी रेत की ढेरियों पर अपने कपड़े सुखाता। कुछ गीले भी होते तो बदन पर सूख जाते। कपड़े सूखने पर ही वे घर या स्कूल लौट सकते थे। कभी घर में पता चलने पर उनकी पिटाई भी हो जाती लेकिन छुपते-छुपाते नहाने और नदी के ठंडे पानी में घंटों पड़े रहने का अपना मजा था।

रिमझिम बारिश की एक दोपहर देवी मंदिर के दालान से नीम की एक टहनी तोड़ते हुए उसने लड़के से पूछा था - 'तुम्हें नीम की पत्तियाँ कैसी लगती है?'

लड़के ने तपाक से कहा - 'यह भी कोई पूछने की बात है। नीम तो कड़वा ही होता है। पत्तियाँ कड़वी ही लगेंगी न।'

लड़की ने जीत की खुशी में दमकते हुए कहा - 'तभी तो मैं तुम्हें बुद्धू कहती हूँ। नीम की पत्तियाँ हमेशा कड़वी ही लगें। यह जरूरी नहीं। साँप काटे हुए को जब ये पत्तियाँ खिलाते हैं न तो उसे ये मीठी लगती है। शरीर में जहर हो तो कड़वा भी मीठा लगने लगता है, समझे।'

लड़के ने कहा - 'यह तो मेरे साथ चीटिंग है। बात साँप के काटे की थी ही नहीं...'

'आगे तो सुनो, मेरी दीदी कहती है जो कोई किसी से प्रेम करता है तो उसे भी नीम की पत्तियाँ मीठी लगने लगती है। तुम खाकर देखो।' - लड़की ने कहा।

लड़के ने बुरा-सा मुँह बनाते हुए एक पत्ती जीभ पर रखी ही थी कि उसके मुँह में कडवाहट भर गई, उसने तुरंत पत्ती थूक डाली।

लड़की ने लड़के की आँखों में देखा और दो-तीन पत्तियाँ चबाने लगी। लड़की पान के पत्ते की तरह उसे बाखुशी चबाती रही।

लड़की ने कहा - 'यह तो मीठी हैं।'

लड़की को लगा कि लड़का उससे पूछेगा कि क्या तुम्हें भी प्रेम है। किस से?

लेकिन लड़के ने कुछ नहीं पूछा। वह बार-बार अपना गला खँखार रहा था। जैसे कड़वाहट उसके भीतर तक चली गई हो। न जाने क्यों लेकिन उसे लगा कि लड़के के मुँह में नीम की वह कड़वाहट अब तक घुली है।

लड़की उस कडवाहट के बारे में पूछना चाहती थी लेकिन उसने पूछा - 'तुम्हारे कितने बच्चे हैं?'

लड़के को लगा कि उसने जान-बूझकर शादी के बारे में नहीं पूछते हुए सीधे बच्चों के बारे में पूछा है। लड़के ने झिझकते हुए कहा - 'दो... एक बेटा एक बेटी... दोनों वहीं पढ़ते हैं।'

लड़की उसकी पत्नी के बारे में कुछ पूछना चाहती थी लेकिन क्या पूछे, यह सोचती रही फिर 'अच्छा' कहकर कुछ भी पूछने का विचार निरस्त कर दिया।

तब स्कूल में बच्चे कपड़े के झोले में अपना बस्ता लाते थे। लड़के के झोले पर उसकी माँ ने कढ़ाई के रेशमी धागों से बहुत सुंदर हिरण बनाया था। भूरे धागों से उसका शरीर, काले धागों से उसके सिंग और पैर की टापें। हिरण की आँखों में दो मोती जड़े थे। हिरण इतना सजीव था कि उसकी तरफ देखते तो लगता कि वह अभी कुलाँचे मारते दौड़ पड़ेगा। उसकी आँखें झमझम हुआ करती। लड़की को वह हिरण बहुत पसंद था। लड़की उसके पेट पर हाथ घुमाती तो लगता असली हिरण का ही स्पर्श है। हिरण उसकी तरफ प्यार से देखने लगता। उसे भी हिरण बहुत भाने लगा था।

उसे हमेशा डर बना रहता कि कहीं यह हिरण किसी रात जंगल की तरफ लौट तो नहीं जाएगा। उसकी आँखों में खूब तेज दौड़ने का सपना वह देख चुकी थी। जमाने से उसकी होड़ थी। उसे आगे बढ़ने का जूनून था, वह हर दौड़ जीत लेना चाहता था। हर बाजी उसके हक़ में करना चाहता था। दौड़ के लिए वह सब कुछ छोड़ सकता था। लड़की को अब यह हमेशा लगता कि कहीं वह उसे छोड़कर तो नहीं चला जाएगा।

एक रात वह हिरण बस्ते के झोले से निकल गया और सजीव होकर लड़के की आत्मा में उतर गया। तब से अब तक लड़का उसी की तरह चौकड़ियाँ भरता रहता है। उसने लड़की को छोड़ा, घर छोड़ा, अपनी मिट्टी छोड़ी, गाँव छोड़ा, नाते-रिश्ते छोड़े और सुनने में तो यहाँ तक आता है कि उसने अपनी आत्मा तक छोड़ दी है।

तभी गुलाबी फ्राक पहनी हुई एक लड़की दौड़कर हाँफती हुई उसके पास आई और उसके गाल सहलाते हुए बोली - 'माँ देखो, मैं जंगल से कितनी गलतान खिरनियाँ लाई हूँ, तुम खाओगी। तुम्हें बहुत पसंद है न... खाओगी न माँ।'

लड़के ने कहा - 'तुम्हारी बेटी बड़ी क्यूट है।' आगे जोड़ना चाहता था 'तुम्हारी तरह' लेकिन हमेशा की तरह इस बार भी वह हड़बड़ा गया।

लड़की प्रशंसा भाव से कभी बेटी की तरफ तो कभी लड़के की तरफ देखती रही।

उसी वक्त लड़के का मोबाइल बज उठा। उसने लड़की की ओर देखा, बायाँ हाथ हिलाकर विदा ली और दाएँ हाथ से मोबाइल को कान पर सटाए तेज कदमों से गली की ओर बढ़ गया। लड़की उसे गली में गुम होते हुए देखती रह गई।

- 'हिन्दी समय' से साभार

नदी में नहाने के बाद वह झाड़ियों के पीछे अपने गीले कपड़ों को इतनी जोर से निचोड़ती कि पानी की आखरी बूँद तक निचुड़ जाए। फिर उन्हें धूप में सुखाती और उनके सूखने तक वहीं खरगोश की तरह दुबककर बैठी रहती। इधर लड़का भी रेत की ढेरियों पर अपने कपड़े सुखाता। कुछ गीले भी होते तो बदन पर सूख जाते। कपड़े सूखने पर ही वे घर या स्कूल लौट सकते थे। कभी घर में पता चलने पर उनकी पिटाई भी हो जाती लेकिन छुपते-छुपाते नहाने और नदी के ठंडे पानी में घंटों पड़े रहने का अपना मजा था। रिमझिम बारिश की एक दोपहर देवी मंदिर के दालान से नीम की एक टहनी तोड़ते हुए उसने लड़के से पूछा था - 'तुम्हें नीम की पत्तियाँ कैसी लगती है?'

## संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

# अहं और अहंकार

प्रबोधन और व्याख्यान के लिए विभिन्न समुदायों के बीच जाना होता रहता है। प्रायः हर मंच से कहा जाता है कि फलां समुदाय या वर्ग की एकता देखो, पर हम ऐसी केकड़ा प्रवृत्ति के हैं कि हमारा वर्ग कभी एक नहीं हो सकता। जबकि सत्य यह है कि कोई भी समुदाय इसका अपवाद नहीं है। अलबत्ता अहंकार की अधिकता व्यक्ति विशेष को सर्वमान्य बनने से रोकती है। सिक्के का दूसरा पहलू है कि अहँ के भाव के बिना कोई प्रगति कर भी नहीं सकता। यहाँ 'अहं' का संदर्भ अपने अस्तित्व के प्रति सचेत रहने, अपने पर विश्वास रखने से है। तथापि 'अति सर्वत्र वर्ज्येत', यहाँ भी लागू होता है। इस अहम को विस्तार न दें, आकार न दें। यह ऐसा ही है जैसे थोड़ी सी आग से हाथ सेंककर ठंड दूर कर ली जाए या भोजन बना लिया जाए, पर आग यदि बढ़ जाए, अलाव दावानल में बदल जाए तो उसमें व्यक्ति स्वयं ही भस्मीभूत हो जाएगा। अहं को आकार देना ही अहंकार है, इससे बचें।

फिर अहंकार भी किसलिए ! नीति कहती है कि हर मूल का मूल पहले से ही मौजूद है। सृष्टि में मौलिक कुछ भी नहीं है। जो बात हमने आज जानी, वह हम से पहले लाखों जानते थे, हमारे बाद करोड़ों जानेंगे। अपने ज्ञान की तुलना यदि हम अपने अज्ञान से करें तो कथित ज्ञान स्वयं ही लज्जित हो जाएगा, उसका आकार बहुत छोटा हो जाएगा, अतः आवश्यक है-अहंकार का निर्मूलन।

कबीर लिखते हैं-

जब मैं था तब हरि नाहिं, अब हरि हैं मैं नाहिं,
प्रेम गली अति सांकरी, जामें दो न समाहिं।

अहंकार होगा तो हरि कैसे मिलेंगे, यदि हरि नहीं मिलेंगे तो अज्ञान का तम कौन हरेगा? मनुष्य के हाथ में कर्म तो है पर फल की निष्पत्ति उसके बस में नहीं।

समय के कुप्रबंधन के शिकार प्रायः कहते हैं, 'आज इतना व्यस्त रहा कि भोजन के लिए समय ही नहीं रहा।' अर्थात सारी भाग-दौड़ के बाद भी उस दिन भोजन पाना या ना पाना उसके हाथ में नहीं है। 'मैं' की अति व्यक्ति को दृष्टिहीन-सा कर देती है। वह कर्म का नियंता और उपभोक्ता भी खुद को ही समझने लगता है। किसी नगर में एक साधु आए। नगरसेठ ने मुनीम के हाथ उस दिन के भोजन का निमंत्रण भेजा। नगरसेठ के यहाँ काम करते-करते मुनीम की ज़बान पर अहंकार चढ़ गया था। जाकर साधु से कहा,आपको आजका भोजन हमारे सेठ खिलायेंगे।'' साधु फक्कड़ था, कहा,अपने सेठ से कहना आज तो तू खिला रहा है, कल कौन खिलायेगा?'' मुनीम ने सारा किस्सा जाकर सेठ को सुनाया। सेठ बुद्धिमान और विनम्र था। सारी बात समझ गया। स्वयं साधु के पास पहुँचा और हाथ जोड़कर बोला, महाराज कल जिसने खिलाया था, आज भी वही खिला रहा है और आनेवाले कल भी वही खिलायेगा। मुझे तो उसने आज के लिए निमित्त भर बनाया है।''

मनुष्य के लिए अपनी इस नैमित्तिक स्थिति को समझना ज़रूरी है। पथिक यदि यह मान ले कि वह नहीं चलेगा तो पगडंडी कहीं जाएगी ही नहीं, वहीं पड़ी रहेगी, तो इससे बड़ी नादानी कोई नहीं।

धन, प्रसिद्धि, रूप आदि का संचय व्यक्ति को बौरा देता है। लोग बटोरकर बड़ा होना चाहते हैं। विनम्रता से कहना चाहता हूँ, बाँटकर देखो, जितना बाँटोगे, अहंकार घटेगा। जितना अहंकार घटेगा, उतना तुम्हारा कद बढ़ेगा।... विश्वास न हो तो प्रयोग करके देख लो।

## बोध कथा

# श्रम का पुरस्कार

बहुत दिनों पहले की बात है, गिलहरी पूरी तरह काली हुआ करती थी। छोटी-छोटी झाड़ियों के बीच, घास के मैदानों में, ऊँचे बड़े पेड़ों पर रेंगती फिरती कूदती फाँदती लेकिन लोग उसे सुंदर प्राणी नहीं समझते थे। गिलहरी को गाँव के परिवारों के साथ रहना पसंद था लेकिन गाँव वाले उसे पसंद नहीं करते थे। वह घरों में पहुँच जाती तो बच्चे डर जाते और लोग उसे भगाने लगते।

गाँव में एक आश्रम था जिसमें साधू बाबा रहते थे। गिलहरी उनके पास रहने लगी। जो बाबा खाते वह गिलहरी खाती, जो वे यज्ञ हवन करते उसकी साक्षी बनती और जो वे जप मंत्र पढ़ते उसके पुण्य का लाभ उठाती। धीरे धीरे गिलहरी बीज, कंद और मूल खाने वाली साध्वी बन गई। कुछ समय बाद बाबा रामेश्वरम की तीर्थयात्रा पर निकले तो वह गिलहरी भी उनके साथ हो ली। रामेश्वरम के समुद्र तट पर बाबा ने जहाँ डेरा डाला वहीं किसी पेड़ पर एक कोटर में गिलहरी ने भी अपना घर बना लिया।

रामेश्वरम में थोड़ा ही समय बीता था कि राम और रावण का युद्ध छिड़ गया और राम जी ने सिंधु में सेतु निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया। नल और नील के नेतृत्व में बन्दर और भालू समुद्र में पत्थर डालकर सेतु बनाने लगे। यह देखकर गिलहरी भी रेत के कण उठाकर समुद्र में डालने लगी। यह छोटा सा काम था लेकिन बड़े निर्माण में छोटे से छोटे काम का महत्व होता है, यह समझकर नल नील ने उसे टोका नहीं और वह अपना काम करती रही। भगवान राम भी उसे चुपचाप काम करते देखते। जिस दिन पुल का निर्माण पूरा हुआ, उस दिन, नन्हीं सी गिलहरी द्वारा प्रदर्शित उत्तरदायित्व, लगन और श्रम की भावना को पुरस्कृत करने के लिये भगवान राम ने उसे अपने हाथों में उठाया और आशीर्वाद से भरी अपनी अँगुलियों को उस पर फेरा।

आश्चर्य ! भगवान राम के हाथ और ऊँगलियों के निशान जहाँ लगे वहाँ का रंग भगवान की त्वचा जैसा साँवला हो गया और वह अत्यंत आकर्षक दिखाई देने लगी। कहते हैं तभी से गिलहरी की गणना सुंदर प्राणियों में होने लगी। गाँव के बच्चे उसे देखकर खुश हो जाते, उसे बगीचों से कोई नहीं भगाता और लोग उससे खूब प्रेम करते। गिलहरी को मिले इस वरदान से उसके आगे की संतति भी सुंदर हुई। अंत में जब सेतु निर्माण का इतिहास लिखा गया तब हर कवि और रचनाकार ने उस नन्हीं गिलहरी का उल्लेख अपनी रचना में किया।

## वीर गाथा

# मेजर शुभांग : कंधे पर लगी गोली, दिल में देशभक्ति का ज्वार, आतंकवादियों पर किया घातक प्रहार

मेजर शुभांग का जन्म उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के कैली गांव में हुआ था। माता सुधा देवी और पिता विमलेंदु राय के बेटे शुभांग एनडीए की परीक्षा पास करके भारतीय सेना में अधिकारी बने थे। उन्हें डोगरा रेजिमेंट में शामिल किया गया था। कुछ साल बाद उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 62वीं बटालियन में भेज दिया गया। मेजर शुभांग ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के एक गांव में घेराबंदी के दौरान अपनी टीम का अत्यंत वीरतापूर्वक नेतृत्व किया था। घने जंगल और प्रतिकूल मौसम के बावजूद शुभांग दृढ़ता से डटे रहे और खूंखार आतंकवादियों का खात्मा किया।

देर रात उन्हें संदिग्ध गतिविधि दिखाई दी थी। शुभांग ने योजना के तहत संदिग्धों को थोड़ा और नजदीक आने दिया। इसके बाद उन पर गोलीबारी की। सामने से भारी हथियारों और अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर से फायरिंग हुई, जिससे पता चल गया कि वे आतंकवादी थे। इस दौरान दो जवान घायल हो गए। मेजर शुभांग के बाएं कंधे पर गोली लगी। इसके बावजूद उन्होंने बेमिसाल बहादुरी दिखाई और आगे बढ़े। उन्होंने एक आतंकवादी को ढेर कर दिया।

दूसरा आतंकवादी लगातार गोलीबारी कर रहा था, जिससे जवानों को खतरा हो सकता था। यह देखकर मेजर शुभांग ने अपनी पोजिशन बदली। वे रेंगते हुए आगे बढ़े। उन्होंने बहुत नजदीक जाकर उस पर हमला किया। इससे डरकर वह आतंकवादी एक घर में छिप गया। वहां उसका खात्मा कर दिया गया। मेजर शुभांग ने गंभीर खतरे का डटकर सामना किया। उन्होंने कर्तव्य पथ पर मजबूती से नेतृत्व किया और देश के दुश्मनों को परलोक पहुंचाया। मेजर शुभांग को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

## महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# देश की राजनीतिक प्रक्रिया वैचारिक पतन को प्रदर्शित करती है : हामिद अंसारी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी का मानना है कि देश की राजनीतिक प्रक्रिया वैचारिक पतन को प्रदर्शित करती है, जहां हमने धनबल को हर तरह से चुनावी नतीजों को प्रभावित करने दिया है और उन्हें स्वतंत्र व निष्पक्ष बनाने में नाकाम रहे हैं।

अपनी नई पुस्तक 'आर्गुएबली कंटेंशियस: थॉट्स ऑन ए डिवाइडेड वर्ल्ड' में अंसारी ने लिखा है, हम चुनावी धांधली को खत्म करने में अभी तक सफल नहीं हुए हैं। हमने धनबल को हर तरह से चुनावी नतीजों को प्रभावित करने दिया है और उन्हें स्वतंत्र व निष्पक्ष बनाने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने लिखा, आज हमें यह मानना होगा कि लोकतंत्र का गिलास आधा ही भरा है। हमने चुनावी लोकतंत्र को पूरी तरह से प्रतिनिधिक बनाए बिना, मशीनी तरीके से अपनाया है।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने दावा किया, हमारी चुनावी प्रक्रियाओं और तरीकों ने इन कमियों को कम करने के बजाय और बढ़ा दिया है।

अंसारी, लगातार दो कार्यकाल (2007-2017) तक उपराष्ट्रपति रहे थे। उन्होंने पुस्तक में लिखा है, हमारी राजनीतिक प्रक्रिया वैचारिक पतन और संवैधानिक नैतिकता के घटते अनुपालन को दर्शाती है। हमारा समाज नैतिक व्यवस्था और सार्वजनिक अंतरात्मा के प्रति बढ़ती उपेक्षा को प्रदर्शित करता है।

उनका कहना है कि इसी तरह, बहुसंख्यकवाद की बढ़ती प्रवृत्ति और विशिष्ट वर्गों को लक्षित करने के लिए इतिहास के हथियार के रूप में इस्तेमाल ने सामाजिक दरार को बढ़ाया है। अंसारी का यह भी कहना है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों, जो भारत की आबादी का लगभग 20 प्रतिशत हैं, पर हाल के अध्ययनों से पता चला है कि उनके साथ भेदभाव उन धारणाओं से संबंधित है जो अगस्त 1947 में विभाजन के कारण उत्पन्न हुई सोच से संबंधित हैं। उनके अनुसार, राजनीति विज्ञानियों और समाजशास्त्रियों ने धर्मनिरपेक्षता की भारतीय धारणा पर काफी कुछ लिखा है। अंसारी का मानना है कि एक धर्मनिरपेक्ष देश की आम तौर पर तीन स्वीकृत विशेषताएं होती हैं -- धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता, धर्मों के बीच समानता, और तटस्थता, लेकिन उनका कार्यान्वयन विरोधाभासी रहा है तथा इससे बड़ी विसंगतियां पैदा हुई हैं। राज्यसभा के पूर्व सभापति का यह भी मानना है कि संसद ने विचार-विमर्श, जवाबदेही और निगरानी के साधन के रूप में अपनी प्रभावशीलता खो दी है।

रूपा प्रकाशन द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक, अंसारी के लेखन, व्याख्यान और भाषणों को एक सूत्र में पिरोती है ताकि यह उजागर किया जा सके कि कूटनीति, बहुलवाद और नीति दुनिया में भारत की जगह को आकार देने में कैसे साथ मिलकर काम करती हैं।

## रैली

इंफाल में शनिवार को बुजुर्ग महिलाएं शनिवार को मणिपुर के इंफाल में कोऑर्डिनेटिंग कमिटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी 'मणिपुर बचाओ' रैली की। यह रैली कई मैतेई सिविल सोसाइटी संगठनों की एक अंब्रेला बॉडी है।

# कन्नड़ फिल्म उद्योग के सुपरस्टार किच्चा सुदीप ने पुरे किए सिनेमा में 30 साल

बेंगलूरु/एजेन्सी

कन्नड़ फिल्म उद्योग के सुपरस्टारों में से एक, निर्देशक और टीवी होस्ट किच्चा सुदीप ने अपने करियर के 30 साल पूरे कर लिए हैं, और अभिनेता के लिए ये किसी बड़े सपने के सच होने जैसा है। जब अभिनेता ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखा था, तब वे कई सपनों, शंकाओं और असीम आशाओं से भरे थे। आज वे सिनेमा पर राज कर रहे हैं। अपने करियर में 'ईगा (मक्खी)', 'विक्रांत रोना' और 'कब्जा' जैसी बहुभाषी हिट फिल्में देने वाले अभिनेता ने 30 साल का सफर पूरा कर लिया है और वे सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों और समर्थकों का आभार व्यक्त कर रहे हैं। किच्चा सुदीप ने सोशल मीडिया पर फैंस को धन्यवाद देते हुए और अपनी जर्नी को लेकर भावनाओं से भरा पोस्ट शेयर किया है।उन्होंने लिखा, इस अद्भुत, खूबसूरत फिल्म जगत में तीन दशकों के बाद यहां खड़े होकर मेरा दिल बस खुशी से भरा है। सपनों, शंकाओं और असीम आशाओं से भरे एक लड़के से लेकर आज जो कुछ भी यह मुकाम हासिल किया है, वह आपकी बदौलत मेरी कल्पना से कहीं अधिक बड़ा है। किच्चा सुदीप ने

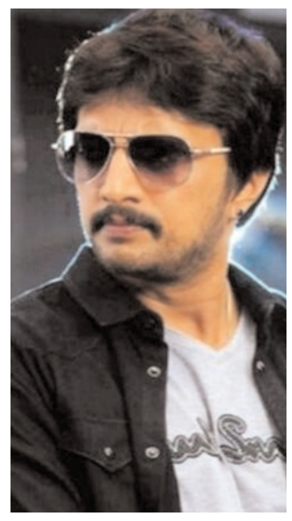

अपने हिट करियर का श्रेय अपने फैंस को दिया। उनका कहना है कि आज वे जिस मुकाम पर हैं, वो सिर्फ फैंस के प्यार की बदौलत है। उन्होंने आगे लिखा, मेरे फैंस, आप मेरी ताकत हैं, मेरी प्रेरणा हैं, और मुझे लगातार काम करते रहने का कारण हैं।

निर्देशकों और लेखकों का भी अभिनेता ने दिल से धन्यवाद किया, क्योंकि उन्होंने उन पर भरोसा किया और फिल्मों के लिए चुना। उन्होंने आगे लिखा, आपके साहस और विश्वास ने मेरे सपनों को साकार किया है। सह-कलाकारों और हर एक तकनीशियन, लाइट बॉय से लेकर कैमरामैन तक, कला टीम से लेकर कॉस्ट्यूम टीम तक, स्पॉट बॉय से लेकर एडिटर तक, आपका अथक परिश्रम ही सब कुछ है। आपने मेरी आवाज़ को बुलंद किया, मुझसे सवाल किए, मेरी सराहना की और मुझे आगे बढ़ने में मदद की। अपने 30 साल के करियर में अभिनेता ने बहुत सीखा लेकिन जरूरी चीज उनके लिए रही विनम्रता और दयालुता। उन्होंने लिखा, मैं वादा करता हूं कि मैं और भी ज़्यादा मेहनत करता रहूंगा,अपनी कला का सम्मान करूंगा और सिनेमा ने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसे लौटा दूंगा।

# बांग्लादेश में चुनाव और सुधारों पर जनमत संग्रह की तैयारी

ढाका/नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश में अराजकता भरे माहौल के बीच दो सप्ताह से भी कम समय में चुनाव होने हैं और इसके साथ ही सुधारों पर एक जनमत संग्रह भी होगा। बांग्लादेश में 12 फरवरी को चुनाव होंगे जिसमें 12.7 करोड़ से अधिक लोग मतदान करने के पात्र होंगे। इस चुनाव को व्यापक रूप से दशकों में देश का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव माना जा रहा है जो अगस्त 2024 में शेख हसीना के शासन को समाप्त करने वाले जन विद्रोह के बाद पहला चुनाव है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने चुनाव और जनमत संग्रह के इस दोहरे अभ्यास को एक भव्य उत्सव बताया और कहा कि यह देश के इतिहास में सबसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान होगा। यूनुस के अनुसार यह चुनाव नए बांग्लादेश की नींव रखेगा। हालांकि पर्यवेक्षकों का कहना है कि एक प्रमुख राजनीतिक दल की अनुपस्थिति और बढ़ते राजनीतिक तनाव ने चुनाव के प्रतिस्पर्धी स्वरूप को कमजोर किया है और स्थिरता एवं वैधता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग के दौड़ से बाहर होने के बाद मुकाबला मुख्य रूप से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी एवं उसके सहयोगियों के बीच सिमट गया है। माना जा रहा है कि इस चुनाव में बीएनपी सबसे आगे है।जिस अवामी लीग ने पाकिस्तान के खिलाफ 1971 के मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था अब उसी पार्टी को प्रतिबंध का सामना करना पड़ रहा है।

# महिलाओं को कमजोर समझना सबसे बड़ी भूल : रानी मुखर्जी

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में जब भी मजबूत महिला किरदारों की बात होती है, तो रानी मुखर्जी का नाम सबसे पहले लिया जाता है। खासतौर पर 'मर्दानी' फ्रेंचाइज़ी ने उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है, जो सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि अपनी सोच और बयानों के जरिए भी महिलाओं की ताकत को सामने रखती हैं। इस बीच आईएएनएस से बात करते हुए रानी मुखर्जी ने 'मर्दानी' होने के मायने पर खुलकर बात की और भारतीय महिलाओं की शक्ति, सहनशक्ति और साहस को बयां किया। आईएएनएस से बात करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा, ''मैं हमेशा सभी से यही कहती हूं कि महिलाएं अपने आप में शक्ति का स्वरूप होती हैं। जब किसी महिला को प्यार और सम्मान मिलता है, तो वह देवी गौरी और देवी पार्वती की तरह शांत, कोमल और करुणामयी होती है।

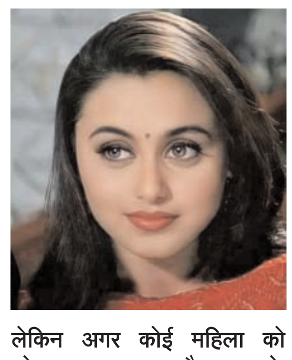

लेकिन अगर कोई महिला को परेशान करता है, उसके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है, तो वही महिला देवी चंडी और देवी दुर्गा का रूप भी धारण कर सकती है। महिलाओं को कमजोर समझना सबसे बड़ी भूल है, क्योंकि वे हालात के अनुसार खुद को बदलना और हर चुनौती का सामना करना जानती हैं।''

रानी ने आगे कहा, ''मैं हमेशा भारतीय महिलाओं को सबसे अच्छे और सशक्त रूप में दिखाना चाहती हूं। हर भारतीय महिला के भीतर एक 'सुपरपावर' छिपी होती है, चाहे वह गृहिणी हो, टीचर हो, पत्रकार हो या पुलिस अफसर। महिलाएं न सिर्फ अपने काम को पूरी ईमानदारी और खूबसूरती से निभाती हैं, बल्कि परिवार और जिम्मेदारियों के बीच भी बेहतरीन संतुलन बनाए रखती हैं।''रानी मुखर्जी ने कहा, ''वर्दी पहनने वाली या ताकतवर पदों पर बैठी महिलाएं भी आम महिलाओं की तरह रोजमर्रा की जिंदगी जीती हैं, लेकिन उनके भीतर एक खास मानसिक और भावनात्मक ताकत होती है, जो उन्हें हर मुश्किल से लड़ने की हिम्मत देती है। एक भारतीय महिला होने के नाते मेरे लिए यह बेहद जरूरी है कि मैं दुनिया को दिखा सकूं कि असली 'मर्दानी' कौन होती हैं और असली हीरो किसे कहा जाता है।''उन्होंने कहा, ''मैं ऐसी सभी महिलाओं से गहराई से प्रेरित हूं जो बिना शोर मचाए, बिना सुर्खियों में आए, हर दिन समाज और अपने परिवार के लिए संघर्ष करती हैं।''

# फिल्म 'शतक' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर आधारित फिल्म 'शतक' का टीजर शुक्रवार को जारी कर दिया गया है। यह फिल्म संघ के सौ साल की यात्रा, उसके विचार और सामाजिक योगदान को केंद्र में रखकर बनाई गई है। यह फिल्म 100 साल के लंबे पड़ाव के पूरे होने की कहानी को प्रस्तुत करती है, जिसने देश के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को गहराई से प्रभावित किया है। टीजर देखकर पता चलता है कि संघ से जुड़े कई सालों पुराने भ्रम और गलतफहमियों पर भी फिल्म में प्रकाश डाला गया है। टीजर से स्पष्ट होता है कि यह सिर्फ विवादों या चर्चाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि संघ के इतिहास, विचार और विकास को सही संदर्भ में पेश करती है। इसमें स्वतंत्रता संग्राम में आरएसएस का योगदान, विभिन्न समय पर लगे प्रतिबंध और आपातकाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों की झलक भी दिखाई देती है। हाल ही में दिल्ली के केशव कुंज स्थित आरएसएस कार्यालय में फिल्म का गीत 'भगवा है अपनी पहचान' लॉन्च किया गया। इस गीत को आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने किया। इस गीत को प्रसिद्ध गायक सुखविंदर सिंह ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। देशभक्ति से भरा यह गीत फिल्म की भावना और मूल विचार को प्रस्तुत करता है।

फिल्म के निर्देशक आशीष मॉल ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए एक व्यक्तिगत यात्रा जैसी है। फिल्म की रिसर्च के दौरान मुझे संघ से जुड़े कई ऐसे पहलू समझने को मिले, जिन पर सामान्यतः चर्चा तक नहीं होती है। इस फिल्म के जरिए समाज में फैली गलतफहमियों को ईमानदारी से सामने लाना हमारी प्राथमिकता थी। फिल्म के निर्माता वीर कपूर ने बताया, यह फिल्म पुस्तकों, दस्तावेजों और उपलब्ध साहित्य के आधार पर तैयार की गई है। हमारा प्रयास रहा कि संघ की वैचारिक परंपरा को एक सूत्र में पिरोकर सिनेमाई भाषा में प्रस्तुत किया जाए।

1875 से 1950 के बीच प्रारंभ हुए अनेक आंदोलनों में से केवल संघ ही ऐसा संगठन रहा जो बिना टूटे निरंतर आगे बढ़ता रहा। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति रही। फिल्म की टैगलाइन 'ना रुके, ना थके, ना झुके' इसी भाव को दर्शाती है। फिल्म के सह-निर्माता आशीष तिवारी हैं। अनिल डी अग्रवाल की परिकल्पना पर आधारित और आशीष मॉल द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 फरवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसे एडीए 360 डिग्री एलएलपी द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

# 'तू या मैं' में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है: पारुल गुलाटी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म 'तू या मैं' में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, ''आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी।''

पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, ''मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पड़ने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।''

पारुल ने कहा, लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, ''एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था। आनंद एल राय की फिल्में वही सिनेमा हैं, जिनकी ओर मैं हमेशा खिंचती रही हूं। यह एक ऐसा दुर्लभ मौका है, जो जिंदगी में कम ही मिलता है, जहां बड़ी स्क्रीन की भव्यता के साथ-साथ कहानी में दिल और भावना दोनों मौजूद हों।''

पारुल गुलाटी ने फिल्म की पूरी टीम के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा, ''मैं मेकर्स की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे लायरा जैसा मजबूत किरदार सौंपा। मेरे लिए एक अनोखी थ्रिलर और क्रिएचर यूनिवर्स का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है। मैं इस फिल्म को लेकर बहुत खुश, आभारी और उत्साहित हूं और चाहती हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर जरूर देखें।''

## हस्ताक्षर

नई दिल्ली में शनिवार को लेखिका झुम्पा लाहिड़ी शुक्रवार को नई दिल्ली में इटैलियन एम्बेसी कल्चरल सेंटर में एक इवेंट के दौरान एक किताब पर साइन करती हुईं।

# हर 'इश्क' परफेक्ट नहीं होता पर काफी होता है : मृणाल ठाकुर

मुंबई/एजेन्सी

हर 'इश्क' परफेक्ट नहीं होता पर काफी होता है, अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर अपकमिंग फिल्म 'दो दीवाने सहर में' की रिलीज को अब कुछ ही समय बाकी है। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर के साथ एक रोमांटिक किरदार निभा रहे सिद्धांत एक सॉफ्ट और भावनात्मक लवर-बॉय की भूमिका में दिखेंगे। शुक्रवार को अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसमें दोनों एक दूसरे के साथ खोए नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने पोस्ट कर लिखा, रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों को वापस लाना, क्या यह वर्तमान समय की जरूरत है या सिर्फ मुझे ऐसा लग रहा है? सिद्धांत के पोस्ट करने के बाद फैंस के बीच यह चर्चा शुरू होने लगी है कि क्या रोमांटिक फिल्मों का दौर फिर से लौट रहा है, हालांकि सोशल मीडिया पर शेयर किए गए सिद्धांत के पोस्ट के साथ तस्वीरों से साफ पता चल रहा है कि यह फिल्म हल्की-फुल्की रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। यही वजह है कि कई दर्शकों ने सिद्धांत की इस बात से सहमति जताते हुए फील-गुड रोमांटिक फिल्मों की वापसी का स्वागत किया है। 'दो दीवाने सहर में' एक आधुनिक प्रेम कहानी है, जिसमें पुराने जमाने के रोमांस की झलक भी देखने को मिलेगी। वहीं फैंस भी सिद्धांत और मृणाल को एक साथ रोमांटिक अंदाज में देखने के लिए बेताब हैं। इससे पहले फिल्म का टीजर और इसका गाना 'आस्मा' जारी हो चुका है, जिसे देखकर फैंस और भी ज्यादा फिल्म को देखने के लिए उत्साहित हैं। अब देखना होगा कि सिद्धांत और मृणाल की केमिस्ट्री दर्शकों के दिलों में जगह बना पाएगी कि नहीं। रवि उद्यावर द्वारा निर्देशित फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसमें प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार भी हैं। फिल्म की कहानी एक अनोखे और खूबसूरत रोमांस को दर्शाती है। फिल्म में अन्य कलाकारों में इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयेशा रजा, संदीपा धर समेत कई नाम शामिल हैं।

# 'ओ रोमियो' के लिए एविनाश तिवारी ने सीखे फ्लेमेंको मूव्स

मुंबई/एजेन्सी

लैला मजनू की दर्दभरी शिद्दत हो, मडगांव एक्सप्रेस की कॉमिक टाइमिंग, खाकी: द बिहार चैप्टर की सख़्ती या द मेहता बॉयज़ का ड्रामा एविनाश तिवारी ने अपने काम से हर बार ये साबित किया है कि वो इमोशन्स और रेंज के खिलाड़ी हैं. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा गहराई और असर के लिए सराही गई है. लेकिन इस बार जो सामने आया, वो थोड़ा हटकर है।

विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म ओ रोमियो की तैयारी में एविनाश ने फ्लेमेंको डांस को भी अपना हथियार बनाया। हाल ही में एविनाश ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो फ्लेमेंको डांस करते नज़र आ रहे हैं. इसी आर्ट फॉर्म के ज़रिए उन्होंने अपने किरदार जलाल को गढ़ा है, जो फिल्म में एक माटाडोर और एंटैगनिस्ट है। जलाल की खतरनाक मौजूदगी सिर्फ हिंसा से नहीं, बल्कि कंट्रोल और ठहराव से आती है। वीडियो में एविनाश की सीधी खड़ी देह, तेज़ फुटवर्क और भीतर दबा तनाव साफ महसूस होता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, स्पेन जाने से पहले। भाषा सीखने से पहले। शरीर पहले ही सब जानता था। ओ रोमियो की तैयारी की एक झलक। फिल्म में फ्लेमेंको का हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन उसकी तैयारी बिल्कुल भी छोटी नहीं थी।

एक अहम सीन के लिए एविनाश ने स्क्रीन पर फ्लेमेंको किया, हालांकि वो सीन फिल्म में रहेगा या नहीं, ये अभी देखना बाकी है। इस ट्रेनिंग का मकसद था माटाडोर की बॉडी लैंग्वेज को समझना जलाल कैसे ज़मीन पर टिककर खड़ा होता है। कैसे सोच-समझकर आगे बढ़ता है और कैसे ख़ामोशी में भी खतरा बनाए रखता है। इतना तो साफ है कि डांस-ड्रिवन फिल्मों में भी एविनाश की ज़बरदस्त संभावना है, जो उनकी वर्सेटिलिटी की एक और झलक देती है। ओ रोमियो में अपने इस फियरस और ट्रांसफॉर्मेटिव रोल को लेकर पहले से ही चर्चा में बने एविनाश के पास आगे इम्तियाज़ अली की ओ साथी रे और प्रशांत झा की गिन्नी वेड्स सनी 2 भी हैं। ये सब मिलकर उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और एक्साइटिंग एक्टर्स में और मज़बूती से खड़ा करता है।

# भगवान विश्वकर्मा प्राकट्योत्सव व प्रतिष्ठा वर्षगांठ में दिखा उत्साह

## ■ विश्वकर्मा जांगिड़ सुथार समाज भवन में हुए अनेक धार्मिक व सामाजिक कार्य
## ■ समाज ने अतिथियों, लाभार्थियों व मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा जांगिड़ सुथार समाज ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में टेंक बंड रोड स्थित विश्वकर्मा भवन में शुक्रवार से विश्वकर्मा का 36वां प्राकट्योत्सव व नवम प्राण-प्रतिष्ठा वर्षगांठ दो दिवसीय भगवान समारोह का आयोजन किया गया। पहले दिन शुक्रवार को ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कमेटी के अध्यक्ष कीरताराम छड़िया ने सभी का स्वागत किया।

इस वार्षिक महोत्सव में जैसलमेर के संतश्री श्रीबाल भारती के सान्निध्य में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड राजस्थान सरकार के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार व सेखाला के प्रधान रावलराम सुथार उपस्थित थे। सभी अतिथियों व पदाधिकारियों ने समाज के चयनीत प्रतिभावान विद्यार्थियों व समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। शाम को भजन संध्या का आयोजन किया जिसमें समाज के गायक कलाकारों ने भगवान विश्वकर्मा सहित अनेक देवी देवताओं के भजनों की प्रस्तुति दी।

भजन संध्या के बीच-बीच में वार्षिक चढ़ावों की बोलियां बोली गई जिसमें समाज के बंधुओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, लाभार्थियों व प्रायोजकों का सम्मान किया। कार्यक्रम में कर्नाटक विश्वकर्मा समाज विकास निगम के चेयरमैन सुगनामूर्ति पी. भी उपस्थित थे। राजस्थान व बेंगलूरु के अतिथियों ने प्रायोजक गाला समूह के किरण गाला व मनीष गाला का सम्मान किया।

वार्षिकोत्सव के द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में सुबह के मुहूर्त में मंदिर के शिखर पर भंवरलाल गुगरिया परिवार द्वारा अमर ध्वजारोहण तथा विभिन्न लाभार्थियों द्वारा हवन, पूजन, अर्चना अभिषेक, तिलक, पोशाक, जनेऊ अर्पण कार्यक्रम सहित महाप्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा व प्रदेश सभा के अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा सहित पूरी प्रादेशिक टीम उपस्थिति थीं। समाज की ओर से उपस्थित सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस बैठक में समाजहित में अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई तो कई मुद्दों पर निर्णय भी लिए गए। सभी अतिथियों ने समाज विकास, शिक्षा, सेवा व धर्म विकास के विषय में अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

इस सम्मान समारोह में समाज के भंवरलाल गुगरिया, तेजस लूँजा, ओटमल लूँजा, मोहनलाल कड़लूँआ, मनीराम लेखराव, शंकरलाल बंबोरिया, अध्यक्ष किरताराम छड़िया, कैलाशचंद भद्रेचा, सज्जनराज किंजा, बजरंगलाल किंजा, आसुराम आसदेव, रामदेव धामू, ईश्वरलाल पिंजोपुरा, चेनाराम लूंजा, रामेश्वरलाल बरड़वा, रमेशकुमार कुलरिया, रमेशकुमार लूंजा, युवा अध्यक्ष किशोरकुमार गुगरिया, महिला अध्यक्ष छोटादेवी किंजा आदि अनेक सदस्य व नवयुवक उपस्थित थे।

# अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ पर कुशलराज गुलेच्छा परिवार ने फहराई धर्म ध्वजा

## त्रिशिखरीय जिनालय का सप्तम वर्षगांठ ध्वजारोहण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कुशलराज गुलेच्छा परिवार द्वारा उज्जैन के अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ के त्रिशिखरीय जिनालय के सातवें ध्वजारोहण के मौके पर शिखर ध्वजा फहराई गई। अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ जैन श्वेतांबर मारवाड़ी समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ध्वजा का वरघोड़ा निकाला गया जिसमें शांतिनाथ महिला मंडल, बालिका मंडल, जिनेश्वर युवा परिषद, शांति सुलोचन बहू मंडल के सदस्यों सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार कोठारी ने सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात मूलनायक अवंति पार्श्वनाथ मंदिर की मुख्य ध्वजा बेंगलूरु निवासी संघवी कुशलराज उत्तमचन्द ललितकुमार गुलेच्छा परिवार ने फहराई। चिंतामणी पार्श्वनाथ मंदिर की ध्वजा बड़गाव के विजया हीरालाल राठौड़ परिवार व आदेश्वर भगवान की ध्वजा सूरत के विमलादेवी माँगीलाल मालू परिवार ने फहराई।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में अध्यक्ष अशोक कोठारी के साथ अन्य पदाधिकारी व उज्जैन के अनेक संघों के सदस्य उपस्थित थे।

# आचार्यश्री भिक्षु का दर्शन मोक्ष प्राप्ति का दर्शन है : मुनि पुलकित कुमार

## 'भिक्षु विचार दर्शन' प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा डॉ मुनि पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में विजयनगर तेरापंथ भवन में 'भिक्षु विचार दर्शन' प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। तेयुप के अध्यक्ष विकास बांठिया ने सभी के स्वागत किया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के संगठन मंत्री रोहित कोठारी ने श्रावक निष्ठा पत्र का वचन करते हुए कहा कि आचार्यश्री भिक्षु ज्योतिपुंज थे। उन्होंने धार्मिक जगत में नया प्रकाश फैलाने का प्रयास किया। मुनिश्री ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्यश्री भिक्षु का दर्शन मोक्ष प्राप्ति का दर्शन है। उन्होंने सूक्ष्म दृष्टि से भगवान महावीर के सिद्धांतों को समझाने का प्रयास किया। लौकिक और लोकोत्तर कार्यों की भेद रेखा को समाज के सामने प्रस्तुत किया। मुनिश्री ने आगे कहा भारतीय संस्कृति के आदर्शों को भगवान महावीर के आगम वाणी के अनुरूप बढ़ाने का प्रयास किया। आचार्यश्री भिक्षु के सत्य सिद्धांत को समझने का प्रयास करें। ङ्गमुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित उपासक महेंद्र दक ने कहा कि सम्यक श्रद्धा को बनाए रखना और स्वयं में टिकाए रखना बहुत जरूरी है। आचार्यश्री भिक्षु का साहित्य भिक्षु विचार दर्शन के माध्यम से समझने का प्रयास करें। आवेग और आवेश को शांत करके ही सम्यक्तव को पुष्ट किया जा सकता है। उपासक दक ने तेरापंथ प्रबोध के कुछ पद्यों का विवेचन करते हुए आचार्यश्री भिक्षु के तत्व सिद्धांतों को बताने का प्रयास किया। शाखा प्रभारी आलोक छाजेड़, भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला सलाहकार राकेश पोकरणा ने विचार रखें। उपाध्यक्ष पवन बैद ने धन्यवाद दिया। उपस्थित महानुभावों का युवक परिषद की तरफ से सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभा के उपाध्यक्ष भँवरलाल मांडोत, युवक परिषद से प्रदीप बाबेल, कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल की अध्यक्षा महिमा पटावरी, ट्रस्ट अध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल सहित अभातेयुप परिवार सहित श्रावक समाज की उपस्थिति थी। कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री पीयूष ललवानी ने किया।

# वनबंधु परिषद के बेंगलूरु चैप्टर द्वारा 'ईश्वर' नाटक की प्रस्तुति आज

## वार्षिक फंड रेज़िंग कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वनबंधु परिषद के बेंगलूरु चैप्टर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने वार्षिक फंड रेज़िंग कार्यक्रम के तहत रविवार को शाम 4 बजे से कोरमंगला स्थित ज्योति निवास कॉलेज ऑडिटोरियम में 'ईश्वर' नामक नाट्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चैप्टर के सचिव वैभव गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष प्रसिद्ध लेखक अतुल सत्यकौशिक द्वारा लिखित लोकप्रिय नाटक 'ईश्वर' का मंचन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को दर्शाने वाला एक विशेष मंचन होगा। इसमें महाभारत धारावाहिक में दुर्योधन की भूमिका निभा चुके प्रसिद्ध अभिनेता पुनीत इस्सर लंकाधिपति रावण की भूमिका निभाते हुए मुख्य आकर्षण रहेंगे। उनके साथ कई अन्य बॉलीवुड अभिनेता एवं अभिनेत्रियाँ भी विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं में अपनी प्रस्तुति देंगे।चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद ने बताया कि इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक प्राइड ग्रुप के प्रमुख मुरलीलाल सरावगी हैं। वहीं सिल्वर प्रायोजक के रूप में ऑर्चिड लैमिनेट के प्रमोद टांटिया, नेचुरल रेमेडीज के अनुराग अग्रवाल, कावेरी ग्रुप के डीके सरावगी, कुबेर लुब्रिकेशन के विशाल एवं बिपिन अग्रवाल उपस्थित होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों में मुख्य संयोजक विक्रम अग्रवाल के नेतृत्व में रचना डालमिया, पवन राजलीवाल एवं अमित सिंह पूरी टीम के साथ जुटे हुए हैं।कार्यक्रम को भव्य बनाने के उद्देश्य से आयोजन स्थल की सजावट, मंच व्यवस्था, दर्शकों के लिए बैठक सुविधा एवं तकनीकी प्रबंधन को लेकर विशेष ध्यान दिया गया है। ज्ञातव्य है कि वनबंधु परिषद द्वारा आयोजित इस धन संग्रह कार्यक्रम से प्राप्त कोष का उपयोग जनजातीय समाज के उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वावलंबन से जुड़े विभिन्न सेवा कार्यों के लिए किया जाएगा।

# देव, गुरु, धर्म स्थान पर कभी भी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए : साध्वी श्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी ज्ञान मंदिर किल्लारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाजी ने शनिवार को आयोजित प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देव, गुरु, धर्म के दर्शन हेतु कभी भी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। जिस प्रकार यदि देश के प्रधानमंत्री का निमंत्रण प्राप्त हो तो व्यक्ति उत्साहपूर्वक पूर्ण तैयारी एवं सुसज्जित होकर जाता है, उसी प्रकार तीन लोक के नाथ तीर्थंकर परमात्मा के दर्शन के लिए भी श्रद्धा भाव से अष्टप्रकारी पूजा का समग्र लेकर जाना चाहिए।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि किसी पुण्योदय के योग से हमें परमात्मा का जिनशासन एवं जैन कुल प्राप्त हुआ है। इस दुर्लभ मनुष्य भव में धर्म आराधना द्वारा जीवन को सार्थक बनाना ही सच्ची साधना है।

उन्होंने साधार्मिक भक्ति, सेवा एवं प्रभावना के महत्व पर भी प्रकाश डाला। सुनील कुंकुलोल ने बताया कि साध्वीवृंद रानीवेन्नूर की ओर विहार करेंगी।

# बागलूर मैन रोड यलहंका में विराट हिन्दू समाजोत्सव कार्यक्रम आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर की हिन्दू समाजोत्सव समिति के तत्वावधान में रविवार को दोपहर 3 बजे से विराट हिन्दू समाजोत्सव कार्यक्रम का आयोजन यलहंका स्थित बागलूर मैन रोड पर यशस्वी स्कूल के पास चालुक्या ग्राउंड पर किया जा रहा है। इस मौके पर श्री शिवानंदा बृहनमाता मठ गदग के जगदगुरु श्री सदाशिव महास्वामीजी सान्निध्य प्रदान करेंगे तथा मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक दक्षिण प्रांत सभा सम्पर्क प्रमुख हरीश उपस्थित होंगे। 'हिन्दू समाजोत्सव' की जागरूकता के लिए तथा सभी लोगों को इस आयोजन में शामिल होने के लिए न्यौता देने हेतु शनिवार को बागलूर में एक 'बाइक रैली' का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके पूर्व गत तीन चार दिनों से क्षेत्र के हर गली मोहल्ले में घर घर जाकर कार्यकर्ताओं ने आयोजन में उपस्थित रहने के लिए सब को आमंत्रित किया।

# बसवनगुड़ी में विमलनाथ परमात्मा का शक्रस्तव अभिषेक सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट एवं श्री विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी में सेवारत समस्त संस्थाओं के आत्मउत्कर्ष, आत्मप्रगति, एवं सामाजिक आध्यात्मिक उत्थान हेतु मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व मुकुलप्रभसागरजी की निश्रा में जन्म कल्याणकारी शक्रस्तव महाभिषेक आयोजित किया गया। चार घंटे तक अनवरत विशेष औषधियों से युक्त सुगंधित जल से अटूट धारा के साथ परमात्मा का विशेष अभिषेक किया गया। अभिषेक में दादावाड़ी ट्रस्ट एवं ट्रस्ट से सभी जुड़ी संस्थाओं ने सदस्यों ने आकर्षक पूजन वस्त्रों में आकर परमात्मा के बिम्ब पर अद्भुत निर्माल्य अभिषेक किया और अपने जीवन एवं मन को निर्मल बनाया। शक्रस्तव अभिषेक जैन धर्म में एक अत्यंत पवित्र और मंगलकारी अनुष्ठान है, जो तीर्थंकर परमात्मा के जन्म के समय इन्द्र द्वारा मेरु पर्वत पर किए गए अभिषेक की परंपरा का अनुकरण है।

# गांधीनगर महिला मंडल ने कैंसर के प्रति जागरूकता जगाई, जांच शिविर 4 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने अपोलो अस्पताल में अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया। मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मंडल बेंगलूरु के लगभग 18 अस्पतालों के साथ कैंसर डे 4 फरवरी को निशुल्क पेप स्मीयर टेस्ट का आयोजन कर रहा है। डॉ साहना केपी ने कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाते हुए महिलाओं से संशय को दूर किया। उन्होंने बताया कि हर वयस्क महिला को दो वर्ष में यह जांच अवश्य करानी चाहिए। अपोलो अस्पताल के उपाध्यक्ष उदय ने कहा, महिला पूरे परिवार का ध्यान रखती है लेकिन अपनी स्वयं की बीमारियों को नज़र अंदाज़ करती है, उन्हें भी समय पर चेकअप करवाना चाहिए। मंडल की मंत्री विजेता रायसोनी ने कैंसर जांच शिविर की विस्तृत जानकारी दी। इस शिविर के प्रायोजक कमलेश स्नेह डूंगरवाल परिवार है। मंडल ने अपोलो अस्पताल के डाक्टरों का सम्मान किया। संयोजिका इंदु खिंवेसरा ने धन्यवाद दिया। संयोजिका नीता गादिया ने संचालन किया।

विजयलक्ष्मी सारड़ा

शोभा भूतड़ा

# सारड़ा बनीं माहेश्वरी महिला संगठन की नई अध्यक्ष, भूतड़ा बनीं सचिव

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन की साधारण सभा का आयोजन हुआ जिसमें वर्ष 2026-29 की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। विजयलक्ष्मी सारड़ा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद व शोभा भूतड़ा को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में संगठन की समस्त सलाहकार सदस्याएं, पदाधिकारी व अन्य 50 सदस्याएं उपस्थित थीं।

# जीतो ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम पर एक वेबिनार आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो व जेपीएफ साउथ टीम ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) नियमों पर एक जानकारीपूर्ण वेबिनार का आयोजन किया। डीपीडीपी अधिनियम-2023 भारत का पहला व्यापक कानून है जो डिजिटल व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण को नियंत्रित करता है, व्यक्तिगत गोपनीयता अधिकारों और वैध डेटा उपयोग के बीच संतुलन बनाता है। वक्ता के रूप में उपस्थित इनकॉर्प एडवाइज़री सर्विसेज के सह-संस्थापक और साइबर सिक्योरिटी प्रैक्टिस लीडर नरसिम्हन एलंगोवन ने वेबिनार का नेतृत्व किया। जीतो साउथ के अध्यक्ष रंजीत सोलंकी ने स्वागत किया।ङ्गङ्गनरसिम्हन एलंगोवन ने साइबर सिक्योरिटी ऑडिट, प्राइवेसी ऑडिट, एसओसी2 और आईटी अटेस्टेशन में अपने अनुभव से डेटा संरक्षण अनुपालन के नियामक ढांचे और व्यावहारिक पहलुओं पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की।

उन्होंने बताया कि अधिनियम भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण पर लागू होता है, जिसमें ऑफलाइन एकत्रित डेटा भी शामिल है लेकिन डिजिटाइज किया गया है और नागरिकों को सामान/सेवाएं प्रदान करने के लिए भारत के बाहर संसाधित डेटा पर लागू होता है। ङ्गङ्ग वेबिनार की मेजबानी सीए गजेश भंडारी ने की। इस अवसर पर जीतो अपेक्स के सचिव श्रीपाल बच्छावत, जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया, सीएस रौनक गुलेच्छा, जेपीएफ संयोजक सीए हरिकिशन और मुख्य सचिव सीए प्रेक्षा भंडारी उपस्थित थे। सहसंयोजक तरुण कुमार ने तकनीकी संचालन किया ।

# राजनीतिक ध्रुवीकरण पारदर्शिता को कमजोर कर रहा : अभिजीत बनर्जी

कोलकाता/भाषा। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने कहा है कि भारत में बढ़ता राजनीतिक ध्रुवीकरण पारदर्शिता को कमजोर कर रहा है और देश को विश्व के लिए एक रहस्य बना रहा है, भले ही आर्थिक वृद्धि के आंकड़े मजबूत बने हुए हों।

बनर्जी ने कहा कि आर्थिक दृष्टि से आज देश के सामने सबसे अहम मुद्दे मीडिया की स्वतंत्रता और पारदर्शिता हैं। उन्होंने कहा कि निवेशकों के लिए राजनीतिक बयानबाजी से ज्यादा आंकड़ों की विश्वसनीयता मायने रखती है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**